संयम ◆ संस्कार ◆ संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 303
पृष्ठ 8
गुरुवार
23 जुलाई 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित   Email : shaharsamta@gmail.com   Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- मिट्टी के बर्तन में बना खाना...
विचार- संसद तक जनता का पहुंचना...
खेल- कुलदीप यादव ने काउंटी क्लब...

मुख्यमंत्री योगी बोले-

उत्तर प्रदेश में तीसरी बार बनेगी भाजपा सरकार

गोरखपुर,संवाददाता। गोरखपुर में बुधवार दोपहर सीएम योगी ने कांग्रेस और सपा पर जमकर हमला बोला। कहा– सपा और कांग्रेस जातियों को आपस में लड़ाने का काम करती हैं। साजिश के तहत आंदोलन कराकर छात्रों को बदनाम करती हैं। उन्होंने दिल्ली में जारी आंदोलन का नाम लिए बगैर कहा कि ऐसा ही सीएए के विरोध में कराया गया था। बंगाल, पाकिस्तान और अफगनिस्तान में हिन्दू, जैन और बौद्धों की बौद्ध हत्या पर कांग्रेस और सपा का मुंह बंद रहता है। योगी ने कहा कि पहले विपक्ष के इन दलों ने किसानों को भड़काया अब छात्रों को भड़का रहे हैं। ये दोनों दल देश में झूठा नैरेटिव फैलाने वाले हैं। 2017 के पहले सपा सरकार में प्रदेश में नौकरी या सरकार की योजनाएं, सब पर 'सैफई सिंडिकेट' का कब्जा रहता था। हर जगह इसी सिंडिकेट की मनमानी चलती थी। विपक्ष का नैरेटिव है कि एक झूठ को सच साबित करने के लिए सौ बार झूठ बोलो। जबकि भाजपा सिर्फ सत्य पर विश्वास करती है और इसी कारण आज भाजपा विश्वास

का प्रतीक बन चुकी है। उन्होंने कहा कि समाज में दो प्रवृत्तियां होती हैं। एक तरफ देव होते हैं तो दूसरी तरफ दानव। एक तरफ सत्य होता है, भलाई होती है तो दूसरी तरफ असत्य और बुराई। भाजपा देव, सत्य और भलाई के साथ रहती है। विपक्ष के लोग अराजकता, उपद्रव, गुंडागर्दी, माफियागिरी और लूट में विश्वास करते हैं, जबकि भाजपा का पक्ष समाज में धर्म, उत्सव, विकास और लोक कल्याण के लिए है। सीएम ने ये बातें योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में आयोजित गोरखपुर शहर और गोरखपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्रों के बूथ अध्यक्षों के सम्मेलन में कहीं। दोनों विधानसभा क्षेत्रों के कुल 892 बूथ अध्यक्षों को आगामी चुनाव में जीत का मंत्र दिया। योगी ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में विपक्ष ने समाज में साजिश और शरारत की। कांग्रेस ने एक लाख रुपये देने का झूठा वादा। सपा और कांग्रेस ने आरक्षण पर गलत नैरेटिव फैलाया। जबकि सच्चाई यह है कि बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर, महर्षि वाल्मीकि, संत रविदास को सम्मान मिला तो पीएम के मार्गदर्शन व नेतृत्व में भाजपा ने दिया। देशहित में जिस सरदार वल्लभ भाई पटेल ने महत्वपूर्ण योगदान दिया, उन्हें भी भाजपा सरकार ने सम्मान दिया। उनकी सबसे ऊंची प्रतिमा बनवाई। कांग्रेस और सपा ने सरदार पटेल व डॉ. आंबेडकर की बजाय जिन्ना को महिमामंडित किया। विपक्ष की शरारतों को बेनकाब करें बूथ अध्यक्ष मुख्यमंत्री में बूथ अध्यक्षों को सतर्क करते हुए कहा कि कांग्रेस और सपा 2024 की तरफ फिर समाज में भ्रम पैदा करने की साजिश और शरारत कर सकती हैं। इसलिए बूथ स्तर पर सजग रहकर उनकी शरारतों और भ्रम को बेनकाब करते रहना होगा। सभी बूथ अध्यक्ष सरकार द्वारा कराए गए विकास और जनकल्याण की योजनाओं को जन–जन तक पहुंचाएं। लोगों के साथ निरंतर संपर्क और संवाद बनाए रखें। जो बूथ जीतेगा वही चुनाव भी जीतेगा बूथ को सबसे महत्वपूर्ण सांगठनिक इकाई बताते हुए मुख्यमंत्री ने चुनावी जीत का मंत्र भी दिया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वक्तव्य का उद्धरण देते हुए कहा कि चुनाव देश, प्रदेश, लोकसभा, विधानसभा या जिले में नहीं होता बल्कि असली चुनावी लड़ाई बूथ पर लड़ी जाती है। इसीलिए पीएम मोदी नारा देते हैं, मेरा बूथ सबसे मजबूत। यह नारा इस बात के लिए प्रेरित करता है कि जो बूथ जितेगा वही चुनाव भी जितेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बूथ ही किसी चुनाव का असली कुरुक्षेत्र होता है। जिसने बूथ जीत लिया, उसने चुनाव जीत लिया। और, बूथ वही जितेगा जिसके पास जन सामर्थ्य होगा, जो अधिकाधिक जनसंपर्क करेगा। यूपी में तीसरी बार बनेगी भाजपा सरकार मुख्यमंत्री ने बूथ अध्यक्षों को प्रेरित करते हुए कहा कि जैसे सीमा पर सैनिकों के मुस्तैद रहने से देश सुरक्षित और खुशहाल रहता है, वैसे ही सतर्क और सजग बूथ होने से हम केंद्र और प्रदेश में सरकार बनाते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि बूथ की ताकत से वर्ष 2027 में उत्तर प्रदेश में भाजपा की लगातार तीसरी बार सरकार बनेगी। उन्होंने सम्मेलन में बूथ अध्यक्षों की शत प्रतिशत उपस्थित के लिए उनका अभिनंदन किया और इसके लिए महानगर इकाई को साधुवाद भी दिया। पूर्व की सरकारों में भूख से होती थी मौत, अब 80 करोड़ को मुफ्त राशन बूथ अध्यक्ष सम्मेलन में योगी ने देश और प्रदेश में भाजपा की डबल इंजन सरकार में आए धारणात्मक बदलाव, विकास कार्यों और जनकल्याण का भी विस्तार से उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत के प्रति पूरी दुनिया की धारणा बदली है। अब भारत को संदेह की दृष्टि से नहीं बल्कि सम्मान और विश्वास के भाव से देखा जाता है।

कॉकरोचों पर लाठीचार्ज- सुप्रीम कोर्ट का सुनवाई से इनकार

चीफ जस्टिस बोले- वीडियो देखने का वक्त नहीं, हमारा समय बर्बाद न करें

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने कॉकरोच जनता पार्टी समर्थकों पर हुए लाठीचार्ज के खिलाफ दायर याचिका पर तुरंत सुनवाई से इनकार कर दिया है। बुधवार को एक वकील ने ब्श्रप् की अगुआई वाली 3 जजों की बेंच के सामने जनहित याचिका लगाई थी। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, श्हमें वीडियो देखने में कोई रुचि नहीं है। हमारे पास उन्हें देखने का समय नहीं है।श जब वकील ने छात्रों के साथ मारपीट के वीडियो देखने का दूसरी बार अनुरोध किया तो सीजेआई ने कहा, 'हमारा और अपना समय बर्बाद मत कीजिए।' बता दें कि 15 मई को एक मामले की सुनवाई के दौरान सीजेआई ने कहा था, कुछ बेरोजगार युवा कॉकरोच जैसे होते हैं, जो बाद में मीडिया, सोशल मीडिया या आरटीआई एक्टिविस्ट बनकर सिस्टम पर हमला करने लगते हैं। इस टिप्पणी के बाद ही अभिजीत दीपके ने इंस्टाग्राम पर कॉकरोच जनता पार्टी नाम से अकाउंट बनाया था।

कॉकरोच जनता पार्टी ने 20 जुलाई को संसद मार्च निकाला था। इस दौरान हजारों प्रदर्शनकारी संसद की तरफ बढ़े थे, इन्हें रोकने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया था। इसमें 100 से ज्यादा पुलिसकर्मी और छात्रों को चोटें आई थीं। मंगलवार को ऐसा ही एक मामला दिल्ली हाईकोर्ट में भी पहुंचा था। तब दिल्ली हाईकोर्ट ने भी इसी तरह की याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया था। कहा था कि कोर्ट को इसमें न घसीटें। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने कहा– लाठीचार्ज की जांच हो सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने निर्दोष छात्रों पर हुए लाठीचार्ज की निंदा की है। एसोसिएशन ने कहा है कि इस कार्रवाई में कई छात्र गंभीर रूप से घायल हुए। इस घटना की तुरंत, निष्पक्ष और समय से जांच होनी चाहिए।

राहुल गांधी की हिरासत अलोकतांत्रिक–सीएम विजयन

चेन्नई,एजेंसी। एक बयान में मुख्यमंत्री विजय ने कहा कि प्रदर्शन कर रहे छात्रों के समर्थन में आए गांधी को हिरासत में लेना निंदा के योग्य है। उन्होंने सोमवार की घटनाओं को लेकर संसद के भीतर विपक्ष के विरोध प्रदर्शन के लिए अपनी पार्टी, तमिलगा वेट्री कझगम के समर्थन की भी घोषणा की।

नीट पर अपनी पार्टी का रुख दोहराते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि ज्टझ इस प्रवेश परीक्षा को पूरी तरह खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने तर्क दिया कि इस परीक्षा का बुरा असर न सिर्फ छात्रों पर, बल्कि उनके परिवारों पर भी पड़ा है। उन्होंने कहा कि नीट परीक्षा को पूरी तरह खत्म किया जाना चाहिए। हम फिर से कहते हैं कि यही इस समस्या का एकमात्र समाधान है। साथ ही उन्होंने कहा कि पार्टी इस मुद्दे पर वोट–बैंक की राजनीति के लिए झूठे वादे नहीं करेगी। संरचनात्मक सुधारों की मांग करते हुए मुख्यमंत्री विजय ने तर्क दिया कि शिक्षा को राज्य सूची में वापस लाया जाना चाहिए और कहा कि नीट जैसी परीक्षाओं को समाप्त करने का यही एकमात्र स्थायी समाधान है। संवैधानिक परिवर्तन होने तक, उन्होंने शिक्षा, जिसमें चिकित्सा प्रवेश भी शामिल हैं, पर राज्य सरकारों को अधिक शक्तियां प्रदान करने के लिए एक विशेष समवर्ती सूची बनाने का प्रस्ताव रखा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने कहा कि ज्टझ ने पार्टी के गठन के तुरंत बाद यही रुख अपनाया था, और पार्टी द्वारा स्थायी और अंतरिम दोनों समाधानों की रूपरेखा पहले ही तैयार कर ली गई थी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को छात्रों और आम लोगों की भावनाओं का सम्मान करना चाहिए और परीक्षा को पूरी तरह से खत्म कर देना चाहिए।

भाजपा के पास छात्रों के भविष्य के लिए कोई विजन नहीं–रॉबर्ट वाड्रा

नई दिल्ली,एजेंसी। बिजनेसमैन रॉबर्ट वाड्रा ने 22 जुलाई को नीट पेपर लीक मामले में सरकार की कार्रवाई न करने की आलोचना की। उन्होंने कहा कि भाजपा के पास छात्रों के लिए कोई विजन नहीं है और उनकी चिंताओं को दूर करने के लिए कोई ठोस योजना नहीं है। एक वीडियो मैसेज में वाड्रा ने कहा कि छात्र और सोनम वांगचुक जिस स्थिति का सामना कर रहे हैं, उसे देखकर मैं हैरान और दुखी हूँ। वे धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे हैंय उनकी चिंताओं को सुनने के बजाय, उन पर लाठीचार्ज किया जा रहा है और आंसू गैस छोड़ी जा रही है। वाड्रा ने कहा कि इस मुद्दे पर 20 से ज्यादा छात्रों ने आत्महत्या कर ली हैय जब भी सरकार के खिलाफ आवाज उठाई जाती है, तो उन्हें देश–विरोधी करार दिया जाता है। मुझे नहीं लगता कि उनके विरोध–प्रदर्शन रुकेंगे। उन्होंने प्रदर्शनकारियों के प्रति अपना समर्थन जाहिर किया और कहा कि मैं उनके संपर्क में हूँ और हर संभव तरीके से उनकी मदद करूँगा।

राहुल गांधी बोले-

10 सालों में 152 पेपर लीक, फिर भी दोषियों को सजा क्यों नहीं?

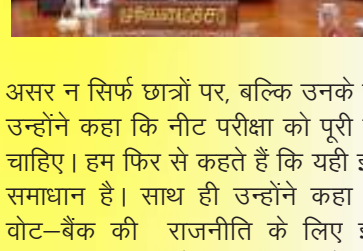

नई दिल्ली,एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी नई दिल्ली के इंदिरा भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। यह प्रेस कॉन्फ्रेंस ऐसे समय में हो रही है जब केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन चल रहे हैं, उन पर हाल ही में हुए नीट पेपर लीक के लिए जिम्मेदार होने का आरोप है। राहुल गांधी ने कहा कि सवाल यह है कि हमारे छात्रों के साथ ऐसा क्यों हो रहा है? आखिर हमारे छात्रों ने किया

क्या है? सुरक्षा बल उन पर हथियार ताने खड़े हैं। उन्होंने क्या गलत किया है? छात्रों को लेकर राहुल ने कहा कि वे शांति से विरोध कर रहे हैं, अपनी मांगें रख रहे हैं, और वे वही मांग रहे हैं जो यह देश उन्हें देने का हकदार है। वे बस यही कह रहे हैं कि देश के छात्र होने के नाते, हमें एक ऐसा शिक्षा सिस्टम मिलना चाहिए जो निष्पक्ष हो। बच्चों ने आत्महत्या तक कर ली है। हमारे छात्र बहुत ज्यादा तनाव से गुजरते हैं और आखिर में उन्हें पता चलता है कि पेपर लीक हो गया है।

एक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान, गांधी ने आरोप लगाया कि जिन परिवारों के बच्चे छम्म्ज परीक्षा में शामिल होते हैं, वे हर साल लगभग 1.32 लाख करोड़ रुपये खर्च करते हैं। उन्होंने इसकी तुलना शिक्षा बजट से की, जो 1.4 लाख करोड़ रुपये है। राहुल गांधी ने कहा है कि कांग्रेस छात्रों और केंद्र से जवाबदेही की उनकी मांग से पूरी तरह सहमत है।

सोनम वांगचुक से अनशन खत्म करने की अपील, अभिजीत दिपके बोले

आंदोलन को हम आगे बढ़ाएंगे

नयी दिल्ली,एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक से अपनी भूख हड़ताल खत्म करने का अनुरोध किया है। वांगचुक 25 दिनों से भूख हड़ताल पर हैं

और अभी मेदांता अस्पताल में भर्ती हैं। सीजेपी ने अपने अनुरोध में कहा कि आपके त्याग ने एक पीढ़ी को प्रेरित किया है। हम आपसे सम्मानपूर्वक अनुरोध करते हैं कि आप अपना अनशन समाप्त करें और अपनी सेहत का ध्यान रखें। हम वादा करते हैं कि परीक्षा में न्याय की लड़ाई तब तक और भी मजबूती से जारी रहेगी जब तक हमारी मांगें पूरी नहीं हो जातीं। उन्होंने कहा कि हम इस आंदोलन को आगे बढ़ाएंगे। सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने भी वांगचुक से अपना अनशन खत्म करने का अनुरोध किया। इससे पहले, वांगचुक ने कहा था कि अगर सांसद और राजनीतिक दलों के नेता उन्हें भरोसा दिलाएं कि संसद के मॉनसून सत्र के दौरान शिक्षा क्षेत्र में जवाबदेही का मुद्दा उठाया जाएगा, तो वह अपना अनशन खत्म कर देंगे।

अलंकरण समारोह
शहर समता विचार मंच, प्रयागराज
(शहर समता समूह द्वारा संचालित)
महिला श्री साहित्य साधना सम्मान
2026

अध्यक्षता - प्रो रवि कुमार मिश्र
मुख्य अतिथि - श्री रंजन पाण्डेय
विशिष्ट अतिथि - श्री संजय सक्सेना
स्थान - शहर समता कार्यालय कर्नलगंज थाने के पीछे
25 जुलाई दिन शनिवार शाम 4बजे

साहित्यिक संयोजक
रचना सक्सेना

कार्यक्रम संयोजक
डॉ प्रदीप चित्रांशी
अरविन्द पाण्डेय

संस्थापक /सचिव
उमेश श्रीवास्तव

वाराणसी–मुंबई सुपरफास्ट के सामने ट्रैक पर मिली लोहे की पाइप, खतरे का अंदेशा भांपकर चालक ने रोकी ट्रेन

प्रयागराज। प्रयागराज के घूरपूर में मंगलवार रात वाराणसी से मुंबई के लोकमान्य तिलक टर्मिनल तक जाने वाली सुपरफास्ट एक्सप्रेस को चालक ने इमरजेंसी ब्रेक मारकर अचानक रोक दिया। रेलवे ट्रैक पर करीब 15 फीट लंबा लोहे की राड रखी गई थी। सूचना मिलते ही महकमे में हलचल मच गई।

प्रयागराज के घूरपूर में मंगलवार रात वाराणसी से मुंबई के लोकमान्य तिलक टर्मिनल तक जाने वाली सुपरफास्ट एक्सप्रेस को इमरजेंसी ब्रेक लगाकर चालक ने अचानक रोक दिया। इससे यात्रियों में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही महकमे में भी खलबली मच गई। मौके पर पहुंची आरपीएफ को रेलवे पटरी पर 15 फीट लंबा लोहे की पाइप रखी मिली। यह घटना इरादतगंज– लिंक जंक्शन के बीच दूरी 1344/46 पर रात पौने नौ बजे हुई। अज्ञात व्यक्तियों ने रेलवे ट्रैक पर लगभग पंद्रह फीट लंबा लोहे की पाइप रख दी गई। यह पाइप भीतर से खोखली थी। इसको फ्लैक्स आदि में प्रयाग किया जाता है। यह पाइप ट्रेन के उस स्थान से गुजरने से ठीक कुछ मिनट पहले रखी गई थी। सुपरफास्ट एक्सप्रेस के चालक को ट्रैक पर खतरे का तुरंत आभास हो गया था। पाइप को हटाने के बाद ट्रेन को आगे के लिए रवाना किया गया।

फ्लेक्स में लगने वाले पतले पाइप के रेलवे ट्रैक पर मिले होने की सूचना मिली है। आरपीएफ नैनी इस मामले की जांच कर रही है। – अमित कुमार सिंह, पीआरओ पयागराज मंडल

उन्होंने बिना देर किए इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन को सुरक्षित रोक लिया। ट्रेन लगभग छह मिनट तक उसी स्थान पर रुकी रही। इसके बाद रेलवे कर्मचारियों ने ट्रैक से रॉड को हटाया। पाइप हटाने के बाद ट्रेन को आगे के लिए रवाना कर दिया गया। इस आपराधिक प्रयास से यात्रियों की जान को गंभीर खतरा था। ट्रेन संख्या 12167 वाराणसी सुपरफास्ट एक्सप्रेस मुंबई के एलटीटी स्टेशन से वाराणसी तक चलती है। ट्रैक पर लोहे की पाइप या कोई भी वस्तु रखना एक गंभीर आपराधिक कृत्य है। इसका उद्देश्य ट्रेन को पटरी से उतारना और यात्रियों को नुकसान पहुंचाना हो सकता था। इस प्रकार की घटना से जान–माल का भारी नुकसान हो सकता था। रेलवे पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

हाईकोर्ट ने न्यायिक अधिकारी के खिलाफ प्रतिकूल टिप्पणी हटाई, कहा–नैतिक भ्रष्टाचार का ठोस आधार जरूरी

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने न्यायिक अधिकारी की वार्षिक गोपनीय आख्या (एसीआर) में दर्ज 'संदिग्ध ईमानदारी' संबंधी प्रतिकूल टिप्पणी को निरस्त कर दिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने न्यायिक अधिकारी की वार्षिक गोपनीय आख्या (एसीआर) में दर्ज 'संदिग्ध ईमानदारी' संबंधी प्रतिकूल टिप्पणी को निरस्त कर दिया है। स्पष्ट किया कि किसी न्यायिक अधिकारी की ईमानदारी पर सवाल उठाने वाली टिप्पणी केवल व्यवहार संबंधी शिकायतों, कार्यशैली या न्यायिक आदेशों में कथित त्रुटियों के आधार पर नहीं की जा सकती। ऐसी गंभीर टिप्पणी के लिए अधिकारी के चरित्र में नैतिक भ्रष्टाचार या बेईमानी से जुड़ा ठोस आधार होना आवश्यक है। यह आदेश न्यायमूर्ति अरिंदम सिन्हा और न्यायमूर्ति सत्यवीर सिंह की खंडपीठ ने एक न्यायिक अधिकारी की याचिका पर दिया है। देवरिया निवासी याची ने 2019–20 की एसीआर में दर्ज प्रतिकूल टिप्पणियों को चुनौती दी थी। याची उस समय गाजियाबाद में अपर सिविल जज (सीनियर डिवीजन) के पद पर कार्यरत थीं। उनकी एसीआर में उनकी ईमानदारी को 'संदिग्ध' बताते हुए कहा गया था कि अधिवक्ताओं की ओर से उनके कार्य और आचरण को लेकर मौखिक शिकायतें मिली थीं। एसीआर में यह भी टिप्पणी की गई थी कि अधिकारी की अच्छी प्रतिष्ठा नहीं है। बार के कई सदस्य उनके व्यवहार को लेकर शिकायत करते थे। अन्य कई आरोप लगाए गए थे।

हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के विजय सिंह बनाम उत्तर प्रदेश में दिए गए फैसले का जिक्र किया। जिसमें कहा गया है कि ईमानदारी का संबंध मजबूत नैतिक सिद्धांतों, सत्यनिष्ठा, निष्कलंक चरित्र और भ्रष्ट प्रभाव से मुक्त आचरण से है। लापरवाही, अनजाने में हुई गलती या असावधानी मात्र से किसी व्यक्ति की ईमानदारी संदिग्ध नहीं हो जाती। हाईकोर्ट ने कहा कि ट्रायल कोर्ट के न्यायिक आदेशों में त्रुटि या किसी कानूनी निष्कर्ष से असहमति का उपचार अपील या पुनरीक्षण की प्रक्रिया में हो सकता है। ऐसे न्यायिक निर्णयों की गुणवत्ता को अधिकारी की व्यक्तिगत ईमानदारी से जोड़ना उचित नहीं है। कोर्ट ने 'संदिग्ध ईमानदारी' संबंधी टिप्पणी को निरस्त कर दिया। साथ ही याची को आवश्यक परिणामी राहत देने का निर्देश दिया गया।

बुलडोजर कार्रवाई पर खंडपीठ में मतभेद, मामला अब मुख्य न्यायाधीश के पास जाएगा

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट की खंडपीठ ने बुलडोजर कार्रवाई से जुड़े मामले में विभाजित फैसला सुनाया है। मतभेद इस बात का था कि किसी आपराधिक मामले में एफआईआर दर्ज होने के बाद आरोपी के घर को गिराने की कार्रवाई पर दो वर्ष तक रोक लगनी चाहिए या नहीं। इलाहाबाद हाईकोर्ट की खंडपीठ ने बुलडोजर कार्रवाई से जुड़े मामले में विभाजित फैसला सुनाया है। मतभेद इस बात का था कि किसी आपराधिक मामले में एफआईआर दर्ज होने के बाद आरोपी के घर को गिराने की कार्रवाई पर दो वर्ष तक रोक लगनी चाहिए या नहीं। अब मामला मुख्य न्यायाधीश के पास जाएगा। हमीरपुर निवासी फैमुद्दीन व अन्य याचियों ने आशंका जताई थी कि उनके रिश्तेदार के खिलाफ आपराधिक षडयंत्र और पॉक्सो एक्ट समेत गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज है। आरोपी का उनकी संपत्ति में कोई लेनादेना नहीं है। इसके बावजूद आशंका है कि उनके आवास, कमर्शियल लॉज और आरा मिल पर बुलडोजर चलाया जा सकता है। मामले की सुनवाई कर रहे न्यायमूर्ति श्रीधरन ने आवास और लॉज के विरुद्ध दो साल तक कार्रवाई रोकने का निर्देश दिया, जबकि न्यायमूर्ति नंदन ने इस पर असहमति जताई। हालांकि, दोनों न्यायाधीश इस बात पर सहमत रहे कि पर्यावरण से जुड़े मामले में फॉरेस्ट एक्ट के तहत आरा मिल के खिलाफ कार्रवाई जारी रह सकती है। वहीं, खंडपीठ के बंटे फैसले पर मुख्य न्यायाधीश निर्णय के लिए तीसरे न्यायाधीश या बड़ी पीठ का गठन करेंगे। न्यायमूर्ति श्रीधरन ने अपने 51 पृष्ठों के फैसले में कहा कि एफआईआर होने के तुरंत बाद मकान गिराने की कार्रवाई अक्सर जनभावनाओं और प्रतिशोध की भावना से प्रेरित प्रतीत होती है। उन्होंने इसे कार्यपालिका के विवेक का प्रतिशोधात्मक व छद्म इस्तेमाल बताते हुए प्रस्ताव दिया कि एफआईआर की तारीख से दो साल तक आरोपी के आवासीय भवन को ध्वस्त करने की कार्रवाई नहीं की जानी चाहिए। साथ ही तीन साल या उससे अधिक समय से निवास कर रहे लोगों के मामलों में अवैध निर्माण हटाने से पहले एक साल का अग्रिम नोटिस देने का भी सुझाव दिया।

देश के युवा मोदी सरकार को देंगे मुंहतोड़ जवाब, दिल्ली में छात्रों के साथ बर्बरता शर्मनाक

प्रयागराज। कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि दिल्ली में अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस ने जिस प्रकार से बर्बरता की है उसने पूरे देश को शर्मसार कर दिया है।

कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि दिल्ली में अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस ने जिस प्रकार से बर्बरता की है उसने पूरे देश को शर्मसार कर दिया है। युवा इसका मुंहतोड़ जवाब देंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का झोला उठाने का समय अब आ गया है। जनता अब जाग चुकी है। आंदोलन किसी भी कीमत पर खत्म होने वाला नहीं है। सुप्रिया ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के साथ अभद्रता की गई है। देश के इतिहास में पहली बार नेता प्रतिपक्ष को हिरासत में लिया गया है। यह लोकतंत्र की हत्या है। केंद्र सरकार तानाशाही पर उतारू है। सुप्रिया श्रीनेत बुधवार को प्रयागराज पहुंचीं। वह सिविल लाइंस स्थित होटल रेडिसन में पत्रकारों से बातचीत कर रही थीं।

कसारी मसारी में 600 फ्लैट की बनेगी ग्रुप हाउसिंग, सिर्फ टू बीएचके फ्लैक का होगा निर्माण

प्रयागराज। कसारी मसारी आवास योजना में 600 फ्लैट की आधुनिक आवासीय परियोजना (ग्रुप हाउसिंग) तैयार की जाएगी। एक सर्वेक्षण के तहत आम लोगों से मिली सुझाव के आधार पर प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) ने आवासीय परियोजना में सिर्फ टू–बीएचके फ्लैट बनाने का निर्णय लिया है। कसारी मसारी आवास योजना में 600 फ्लैट की आधुनिक आवासीय परियोजना (ग्रुप हाउसिंग) तैयार की जाएगी। एक सर्वेक्षण के तहत आम लोगों से मिली सुझाव के आधार पर प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) ने आवासीय परियोजना में सिर्फ टू–बीएचके फ्लैट बनाने का निर्णय लिया है। पीडीए के उपाध्यक्ष ऋषि राज ने परियोजना का मानचित्र स्वीकृत कर दिया है।

प्रयागराज में पहली बार किसी आवासीय परियोजनाओं के निर्माण के लिए तीन दिवसीय सर्वेक्षण कराया गया। पीडीए ने 12 से 15 जुलाई तक चले सर्वेक्षण में आम लोगों से पूछा था कि उन्हें वन बीएचके, टू बीएचके और थ्री बीएचके फ्लैट में क्या पसंद है।

इसके लिए लोगों को पीडीए कार्यालय में आकर फॉर्म भरना था। पीडीए के अफसर चाहते थे कि सर्वेक्षण में गंभीरता हो, इसलिए फॉर्म भरने के लिए 50 रुपये शुल्क निर्धारित किया गया था।सर्वेक्षण में 1000 से अधिक लोगों ने भागीदारी की और

ज्यादातर लोगों ने टू–बीएचके फ्लैट को वरीयता दी। ऐसे में पीडीए ने वहां सिर्फ टू–बीएचके फ्लैट बनाने का निर्णय लिया है। आवासीय परियोजना में पार्क, झूले, कम्युनिटी सेंटर आदि भी बनाए जाएंगे।

कीमत किफायती, पूरा होगा अपने घर का सपना

कसारी मसारी आवास योजना में प्रस्तावित आधुनिक समूह आवासीय परियोजना में टू–बीएचके फ्लैट की कीमत काफी किफायती होगी और आम लोगों के लिए अपने घर का सपना पूरा होगा। पीडीए ने सर्वेक्षण के लिए तीन श्रेणियों में फ्लैट की कीमतें अलग–अलग प्रस्तावित की थीं। वन–बीएचके फ्लैट का अनुमानित मूल्य 20 लाख, टू–बीएचके का 25 लाख और थ्री–बीएचके का अनुमानित मूल्य 50 लाख रुपये निर्धारित किया गया था। परियोजना में अब केवल टू–बीएचके फ्लैट ही बनाए जाने हैं। पीडीए ने टू–बीएचके फ्लैट की जो कीमत निर्धारित की है, वह निजी ग्रुप हाउसिंग के मुकाबले काफी कम है। निजी ग्रुप हाउसिंग में टू–बीएचके फ्लैट की कीमत एक करोड़ रुपये तक है।

10 मिनट में पूरी होगी रेलवे स्टेशन की दूरी

कसारी मसारी में प्रस्तावित आवासीय परियोजना स्थल से रेलवे जंक्शन तक की दूरी महज 10 मिनट में पूरी हो जाएगी। वहीं, हाईकोर्ट, सिविल लाइंस बस अड्डा तक पहुंचने में भी मात्र 10 से 15 मिनट लगेंगे।

सर्वेक्षण में शामिल एक हजार से अधिक लोगों के सुझाव के आधार पर टू–बीएचके के 600 फ्लैट बनाए जाने का निर्णय लिया गया है। इसका मानचित्र स्वीकृत कर दिया गया है। जल्द ही निर्माण शुरू होगा। – ऋषि राज, उपाध्यक्ष, पीडीए

परिषदीय विद्यालयों के 31,685 सरप्लस घोषित शिक्षक 27 तक दाखिल कर सकेंगे आपत्ति, हाईकोर्ट ने दी मोहलत

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों में तैनात 31,685 सरप्लस घोषित शिक्षकों को 27 जुलाई तक संबंधित बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) कार्यालय में आपत्ति दाखिल करने की अंतिम मोहलत दे दी है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों में तैनात 31,685 सरप्लस घोषित शिक्षकों को 27 जुलाई तक संबंधित बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) कार्यालय में आपत्ति दाखिल करने की अंतिम मोहलत दे दी है। स्पष्ट किया है कि सरप्लस घोषित ऐसे शिक्षक जिन्हें सूची में दर्ज आंकड़ों, वरिष्ठता या चयन प्रक्रिया पर आपत्ति है, उन्हें ऑफलाइन आपत्ति जमा करने के बाद उसकी रसीद प्राप्त करना अनिवार्य होगा। साथ ही आपत्ति की प्रति बेसिक शिक्षा परिषद के सचिव को स्पीड पोस्ट से भी भेजनी होगी, ताकि उस पर विचार किया जा सके।

यह आदेश न्यायमूर्ति सौमित्र

दयाल सिंह और न्यायमूर्ति स्वरूपमा चतुर्वेदी की खंडपीठ ने चंदौली के सौरभ कुमार सिंह की विशेष अपील पर दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि जिलों से प्राप्त आपत्तियां एक अगस्त तक बेसिक शिक्षा परिषद के सचिव को भेजी जाएंगी। इसके बाद व्यक्तिगत या वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सुनवाई होगी। 10 अगस्त से स्कूल, ब्लॉक और जिला स्तर पर संशोधित रिपोर्ट पोर्टल पर अपलोड की जाएगी। अगली सुनवाई पांच अगस्त को होगी।

सरकार ने आठ अलग–अलग प्रारूपों में सूची जारी कर 31,685 शिक्षकों को सरप्लस चिह्नित किया है। इन शिक्षकों का समायोजन ऐसे विद्यालयों में किया जाना प्रस्तावित है, जहां शिक्षक नहीं हैं या केवल एक है। इसके खिलाफ प्रभावित शिक्षकों ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। शिक्षकों की ओर से दलील दी गई कि कई विद्यालयों में वरिष्ठ शिक्षकों को सरप्लस घोषित किया जा रहा है, जबकि उनसे जूनियर शिक्षक वहीं तैनात हैं।

इस पर कोर्ट ने कहा कि यदि किसी विद्यालय में पिछले पांच वर्षों के भीतर नियुक्त जूनियर शिक्षक कार्यरत हैं तो वरिष्ठ शिक्षक को सरप्लस घोषित किए जाने पर आपत्ति की जा सकती है। वहीं, पांच साल से अधिक समय पहले नियुक्त शिक्षकों के मामलों में फर्स्ट कम, फर्स्ट गो (वरिष्ठता के क्रम) का सिद्धांत लागू रहेगा, जैसा कि एकल पीठ ने अपने 22 मई 2026 के आदेश में निर्धारित किया था।

दूर नहीं रही दिल्ली, बिहार, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ व झारखंड की राह भी होगी आसान

प्रयागराज। गंगा एक्सप्रेसवे बनने के बाद दिल्ली दूर नहीं रह गई है और विंध्य एक्सप्रेसवे के निर्माण के बाद बिहार, मध्य प्रदेश (एमपी), छत्तीसगढ़ व झारखंड की राह भी आसान हो जाएगी। मंत्रिपरिषद से विंध्य एक्सप्रेसवे को मंजूरी मिलने के बाद तीन साल में इसका निर्माण पूरा किए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। गंगा एक्सप्रेसवे बनने के बाद दिल्ली दूर नहीं रह गई है और विंध्य एक्सप्रेसवे के निर्माण के बाद बिहार, मध्य प्रदेश (एमपी), छत्तीसगढ़ व झारखंड की राह भी आसान हो जाएगी। मंत्रिपरिषद से विंध्य एक्सप्रेसवे को मंजूरी मिलने के बाद तीन साल में इसका निर्माण पूरा किए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। विंध्य एक्सप्रेसवे के लिए जिन गांवों की जमीन का अधिग्रहण किया जाना है, उनमें सोरांव तहसील का गांव जुड़ापुर दांदू भी शामिल है और इसी गांव में गंगा एक्सप्रेसवे का अंतिम छोर है। यानी प्रयागराज से मेरठ तक 594 किलोमीटर की दूरी वाले गंगा एक्सप्रेसवे का एक सिरा प्रयागराज के जुड़ापुर दांदू में 333 किलोमीटर की दूरी वाले विंध्य एक्सप्रेसवे से जुड़ेगा। विंध्य एक्सप्रेसवे प्रयागराज से भदोही व मिर्जापुर होते हुए सोनभद्र तक जाएगा। सोनभद्र से चार राज्यों बिहार, एमपी, छत्तीसगढ़ व झारखंड की सीमाएं जुड़ती हैं। विंध्य एक्सप्रेसवे बनने के बाद मेरठ से सोनभद्र तक की दूरी 927 किमी रह जाएगी। यह दूरी आठ से नौ घंटे में पूरी की जा सकेगी। दिल्ली व उत्तराखंड के लोग भी गंगा एक्सप्रेसवे और विंध्य एक्सप्रेसवे के जरिये चार राज्यों से जुड़ जाएंगे। विंध्य एक्सप्रेसवे के निर्माण से चार राज्यों के श्रद्धालुओं के लिए प्रयागराज महाकुंभ तक का सफर आसान हो जाएगा। महाकुंभ–2025 में तकरीबन 66 करोड़ श्रद्धालु प्रयागराज आए थे। भीड़ व ट्रैफिक का दबाव इतना अधिक था कि मध्य प्रदेश तक जाम लगा और तीन से चार घंटे का सफर पूरा करने में लोगों को दो दिन लग गए।

एफआईआर में देरी के आधार पर बीमा के दावे को खारिज करना गलतः आयोग

प्रयागराज। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने कहा कि केवल एफआईआर दर्ज कराने में देरी के आधार पर बीमा के दावे को खारिज नहीं किया जा सकता। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने कहा कि केवल एफआईआर दर्ज कराने में देरी के आधार पर बीमा के दावे को खारिज नहीं किया जा सकता। बाइक चोरी के मामले में इंश्योरेंस कंपनी बीमाधारक को बीमा राशि ब्याज सहित अदा करे। यह आदेश आयोग के अध्यक्ष मोहम्मद इब्राहीम और सदस्य सरला की पीठ ने अरुण कुमार द्विवेदी की ओर से दायर परिवाद पर दिया।

करछना के धरवारा (हनुमानपुर) निवासी अरुण कुमार द्विवेदी ने आरोप लगाया था कि उनकी बाइक 17 जुलाई 2014 को करछना तहसील परिसर से चोरी हो गई थी। एफआईआर दर्ज कराने के बाद पुलिस ने जांच की पर वाहन नहीं मिला। अंतिम रिपोर्ट न्यायालय की ओर से स्वीकार किए जाने के बाद उन्होंने बीमा कंपनी के समक्ष दस्तावेज और वाहन की चाबी जमा कर दावा प्रस्तुत किया, लेकिन भुगतान नहीं किया गया।

बीमा कंपनी ने आयोग में दलील दी कि चोरी की रिपोर्ट दो दिन बाद दर्ज कराई गई थी। इसलिए दावा स्वीकार नहीं किया जा सकता। यह भी कहा कि कुछ आवश्यक दस्तावेज समय पर उपलब्ध नहीं कराए गए। आयोग ने सर्वोच्च न्यायालय के गुरशिंदर सिंह बनाम श्रीराम जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड और अशोक कुमार बनाम न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के निर्णयों का हवाला दिया। कहा कि जब चोरी की घटना वास्तविक हो, एफआईआर दर्ज हो, पुलिस की अंतिम रिपोर्ट न्यायालय से स्वीकार हो चुकी हो और चोरी का दावा सही पाया गया हो तो केवल सूचना या एफआईआर में देरी के आधार पर बीमा दावा अस्वीकार नहीं किया जा सकता। आयोग ने कहा कि बाइक का बीमित घोषित मूल्य 28 हजार रुपये था। बीमा कंपनी के दिशानिर्देशों के अनुसार याची को आईडीवी का 75 प्रतिशत यानी 21 हजार रुपये, परिवाद दाखिल करने की तिथि से अंतिम भुगतान तक आठ प्रतिशत साधारण वार्षिक ब्याज सहित अदा करने का आदेश दिया गया। साथ ही 10 हजार रुपये क्षतिपूर्ति और पांच हजार रुपये वाद व्यय भी दो माह के भीतर भुगतान करने को कहा है।

8,382 विद्यालयों ने नहीं दी जानकारी, नहीं बन पाएंगे परीक्षा केंद्र

प्रयागराज। प्रदेश के 8,382 विद्यालयों ने यूपी बोर्ड परीक्षा केंद्र के लिए कई अहम जानकारी अपलोड नहीं की है। ऐसे में ये विद्यालयों को बोर्ड परीक्षा में केंद्र नहीं बन पाएंगे। माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) वर्ष 2027 की हाईस्कूल व इंटरमीडिएट परीक्षाओं के केंद्रों के लिए 29,182 विद्यालयों को परिषद की वेबसाइट पर जानकारी देनी थी। प्रदेश के 8,382 विद्यालयों ने यूपी बोर्ड परीक्षा केंद्र के लिए कई अहम जानकारी अपलोड नहीं की है। ऐसे में ये विद्यालयों को बोर्ड परीक्षा में केंद्र नहीं बन पाएंगे। माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) वर्ष 2027 की हाईस्कूल व इंटरमीडिएट परीक्षाओं के केंद्रों के लिए 29,182 विद्यालयों को परिषद की वेबसाइट पर जानकारी देनी थी। 20,800 विद्यालयों ने ही सूचनाएं अपलोड कीं। जबकि 8,382 स्कूलों ने सूचनाएं नहीं दीं। अपर सचिव स्कंद शुक्ला का कहना हैं कि 8,382 विद्यालयों ने परीक्षा केंद्र के लिए आधारभूत सूचनाएं नहीं दी हैं। इसमें 6083 ऐसे स्कूल हैं, जिन्होंने वेबसाइट तक नहीं खोली है।

आकंड़ों के मुताबिक आगरा के 419, फिरोजाबाद के 235, मैनपुरी के 201, एटा 249, मथुरा 236, अलीगढ़ 493, हाथरस 168, बुलंदशहर 100, सहारनपुर 79, बिजनौर 49, बरेली 94, लखीमपुर खीरी 32, सीतापुर 62, हरदोई 218, लखनऊ 151, कानपुर नगर 58, कानपुर देहात 133, फर्रुखाबाद 115, कन्नौज 97, औरैया 78, प्रतापगढ़ 222, प्रयागराज 183, फतेहपुर 73, कौशाम्बी 126, गोंडा 162, देवरिया 211, कुशीनगर 66, आजमगढ़ 82, मऊ 202, बलिया 295, जौनपुर 148, गाजीपुर 293, वाराणसी के 62 सहित अन्य जिलों के 6083 विद्यालयों ने सूचना अपलोड करने के लिए परिषद की वेबसाइट नहीं खोली।

मिट्टी की जांच से तय होगा, नई टाउनशिप में कहां क्या बनेगा, स्वॉयल टेस्टिंग का कार्य शुरू

प्रयागराज। एयरपोर्ट के पास प्रस्तावित नई टाउनशिप एयरोसिटी के लिए स्वॉयल टेस्टिंग का काम शुरू करा दिया गया है। मिट्टी की जांच की प्रक्रिया पूरी होने के बाद तय होगा कि नई टाउनशिप में कहां क्या बनेगा। एयरपोर्ट के पास प्रस्तावित नई टाउनशिप एयरोसिटी के लिए स्वॉयल टेस्टिंग का काम शुरू करा दिया गया है। मिट्टी की जांच की प्रक्रिया पूरी होने के बाद तय होगा कि नई टाउनशिप में कहां क्या बनेगा। शुरुआत 100 हेक्टेयर जमीन पर निर्माण कार्य से होगी। मिट्टी की जांच की प्रक्रिया एक माह में पूरी कर ली जाएगी। इसके बाद तय होगा कि बहुमंजिला ग्रुप हाउसिंग, प्लॉट, सड़क, नाली, पेयजल व सीवर पाइप लाइन, स्वास्थ्य केंद्र, स्कूल, बिजली उपकेंद्र आदि के निर्माण के लिए कौन सा स्थान ज्यादा मुफीद रहेगा।

नई टाउनशिप में न्यायखंड भी बनाया जाना है, जहां अधिवक्ताओं को आवास दिए जाएंगे। इसके अलावा इब्डल्यूएस, एलआईजी व एमआईजी आवास के लिए प्लॉट होंगे। बहुमंजिला ग्रुप हाउसिंग भी बनाई जाएगी। इनमें से कौन सा निर्माण कहां कराया जाना है, यह मिट्टी की जांच पर निर्भर करेगा, ताकि बाद में कोई दिक्कत न हो। स्वॉयल टेस्टिंग की प्रक्रिया पूरी होते ही प्रयागराज विकास प्राधिकरण निर्माण कार्य शुरू करा देगा।

एयरोसिटी के लिए प्रयागराज विकास प्राधिकरण को प्रदेश सरकार की ओर से 100 करोड़ रुपये जारी किए जा चुके हैं। इसकी शुरुआत 100 हेक्टेयर जमीन से होनी है और पहले चरण में इसे 300 हेक्टेयर तक विस्तारित किया जाना है। इसके बाद से 500 हेक्टेयर तक विस्तारित किया जा सकता है। प्रयागराज विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष ऋषि राज ने बताया कि मिट्टी की जांच की प्रक्रिया शुरू करा दी गई है।

मालगाड़ी पर पथ राव करने वाले चार आरोपी आरपीएफ के हत्थे चढ़े

प्रयागराज। प्रयागराज रामबाग–झूंसी रेल खंड पर मालगाड़ी पर हुई पत्थरबाजी के मामले में रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) को बड़ी सफलता मिली है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरपीएफ रामबाग की टीम ने घटना में शामिल चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। प्रयागराज रामबाग–झूंसी रेल खंड पर मालगाड़ी पर हुई पत्थरबाजी के मामले में रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) को बड़ी सफलता मिली है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरपीएफ रामबाग की टीम ने घटना में शामिल चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। प्रयागराज रामबाग और झूंसी के बीच अलोपीबाग 18 जुलाई को मालगाड़ी पर पथराव हुआ था, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इसके बाद आरपीएफ पोस्ट प्रयागराज रामबाग में अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

संक्षिप्त

संसद छोड़ सड़क पर प्रदर्शन क्यों, लोकतंत्र का मजाक उड़ाया गया : केशव मौर्य

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आवास के बाहर कांग्रेस के नेतृत्व में हुए विरोध प्रदर्शन को गैर–जिम्मेदाराना करार दिया और आरोप लगाया कि यह प्रधानमंत्री की सुरक्षा से समझौता करने का प्रयास है। उपमुख्यमंत्री ने मीडिया से कहा, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और उनकी पार्टी का जो कल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आवास के बाहर धरना था। वह गैर–जिम्मेदाराना था। यह प्रधानमंत्री की सुरक्षा को खतरे में डालने का प्रयास था। भारत सरकार के मंत्री जितेंद्र सिंह उनसे मिलकर आए और नीट पर चर्चा कराने की सहमति दी। उसके बाद भी धरने पर बैठे रहना एक तरह से पूरी व्यवस्था का मजाक उड़ाने के प्रयास जैसा था। भाजपा नेता ने कहा, एक तरफ आम आदमी पार्टी जिसका अस्तित्व समाप्त हो रहा है। वह अराजकता पर उतारू है, कानून व्यवस्था को ध्वस्त करने पर उतारू है। तो दूसरी ओर कांग्रेस पार्टी की अगुवाई में समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव एंड कंपनी, ये सारे लोग माहौल को खराब करने में लगे हुए हैं। मौर्य ने कहा कि कोई भी विषय है उसकी चर्चा संसद में होती है। जब संसद का सत्र चल रहा हो, तब सड़क पर इस प्रकार के उपद्रव व धरने–प्रदर्शन की जरूरत नहीं होती है। उपमुख्यमंत्री ने कहा, अगर उनके पास मुद्दे हैं, तो उन्हें संसद में उठाना चाहिए। लोकतांत्रिक राजनीति में इस तरह के सड़क पर विरोध–प्रदर्शन को किसी भी तरह से उचित नहीं ठहराया जा सकता है।

मारुति के कैंपस ड्राइव में उमड़ी बेरोजगारों की भीड़

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ। लखनऊ के राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (ITI), अलीगंज में बुधवार सुबह बड़ी संख्या में अभ्यर्थी पहुंचे हैं। यहां मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड का कैंपस ड्राइव हो रहा। 500 पदों पर भर्ती के लिए हो रहे इस ड्राइव में करीब 5 हजार ट्रेनीज पहुंचे हैं। सुबह से ही संस्थान परिसर में अभ्यर्थियों की भारी भीड़ जुटी हुई है। अभ्यर्थियों का बैचवार रजिस्ट्रेशन कराया जा रहा है। हालांकि, भारी संख्या में अभ्यर्थियों की भीड़ से प्रक्रिया पूरी करने में समय लग रहा है। अलीगंज के प्लेसमेंट अफसर एमए खान ने बताया कि भर्ती हरियाणा के सोनीपत स्थित मारुति सुजुकी प्लांट के लिए की जा रही है। चयनित अभ्यर्थियों को 33 हजार रुपये प्रतिमाह तक का वेतन दिया जाएगा।

लखनऊ–कानपुर एक्सप्रेसवे रूट पर बस का किराया फिर बदला

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश परिवहन निगम ने लखनऊ से कानपुर के बीच एक्सप्रेसवे पर संचालित रोडवेज बसों के किराये में एक बार फिर संशोधन किया है। सोमवार को जारी सूची में कानपुर तक का किराया 155 रुपये निर्धारित किया गया था, लेकिन मंगलवार को संशोधित दरें जारी करते हुए इसे घटाकर 151 रुपये कर दिया गया। वहीं पुराने हाईवे मार्ग से संचालित बसों का किराया 123 रुपये ही रखा गया है। परिवहन निगम के अधिकारियों के अनुसार, लखनऊ–कानपुर एक्सप्रेसवे से यात्रा करने पर यात्रियों का लगभग 45 से 50 मिनट का समय बचेगा। तेज और सुविधाजनक यात्रा के इच्छुक यात्री 151 रुपये का टिकट लेकर एक्सप्रेसवे रूट की बसों में सफर कर सकेंगे, जबकि कम किराये में यात्रा करने वालों के लिए पुराने हाईवे मार्ग का विकल्प 123 रुपये में उपलब्ध रहेगा। निगम ने सभी ई–टिकटिंग मशीनों में संशोधित किराया अपडेट कर दिया है, जिससे यात्रियों से नई दरों के अनुसार ही किराया लिया जाएगा।

लखनऊ में शादी के 6 साल बाद विवाहिता की मौत

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ के ठाकुरगंज में शादी के 6 साल बाद एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिवार का कहना है कि दामाद ने मंगलवार शाम फोन करके बताया बेटी ने जहर खा लिया है। जब परिवार लखनऊ पहुंचा तो देखा सिर व नाक से खून निकल रहा था। परिजनों का आरोप है कि शादी के बाद से ही सूरज आरती के साथ मारपीट करता था और उसे प्रताड़ित करता था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आजाद नगर, रामनगर माल निवासी परमेश्वर ने बताया, उन्होंने अपनी बेटी आरती की शादी 8 दिसंबर 2020 को ठाकुरगंज के राजा विहार निवासी सूरज उर्फ गोलू से की थी। सूरज सफाईकर्मी के तौर पर काम करता है। दंपती के दो बच्चे हैं, जिनमें चार वर्षीय बेटा शिवांश और पांच महीने की एक बेटी है। परमेश्वर ने बताया कि मंगलवार शाम करीब 6 बजे सूरज का फोन आया। उसने कहा कि आरती की तबीयत अचानक बिगड़ गई है। सूचना मिलते ही परिवार माल से लखनऊ के लिए रवाना हो गया। परिजनों का आरोप है कि पहले उन्हें बताया गया कि आरती को ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है, लेकिन वहां पहुंचने पर पता चला कि उसे बलरामपुर अस्पताल ले जाया गया है। जब परिवार बलरामपुर अस्पताल पहुंचा तो डॉक्टरों ने आरती को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका की बड़ी बहन सुमन ने बताया कि वह बालू अड्डा क्षेत्र में रहती हैं, लेकिन घटना की जानकारी उन्हें सूरज ने नहीं दी।

मंत्री ओम प्रकाश राजभर बोले- छात्रों की मांग जायज, राहुल–अखिलेश का आंदोलन राजनीति

लखनऊ (संवाददाता)। यूपी सरकार के पंचायतीराज मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने दिल्ली में नीट अभ्यर्थियों की व्यवस्थाओं में सुधार की मांग को जायज बताया लेकिन राहुल गांधी और अखिलेश यादव के आंदोलन को राजनीतिक करार देते हुए उन पर तीखा हमला बोला। मीडिया से बातचीत में राजभर ने कहा कि छात्रों की मांग उचित है और पेपर लीक नहीं होना चाहिए, लेकिन विपक्ष छात्रों के मुद्दे पर राजनीति कर रहा है। उन्होंने कहा कि छात्र शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांगने गए थे लेकिन प्रदर्शन के दौरान देशविरोधी नारे लगाए गए। उन्होंने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी, आजाद समाज पार्टी और समाजवादी पार्टी के नेता छात्रों को उकसाने पहुंचे जबकि लाठीचार्ज के समय उन्हें छोड़कर चले गए।ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के शासनकाल में खुलेआम नकल और पेपर लीक होते थे, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में परीक्षा प्रणाली को पारदर्शी बनाया गया है। उन्होंने दावा किया कि अब नकलविहीन परीक्षाएं हो रही हैं।

सनातन की सबसे बड़ी विशेषता उसकी समावेशी प्रवृत्तिः प्रोफेसर दुबे

सनातन का वास्तविक स्वरूप मानव कल्याण में निहित – प्रोफेसर सत्यकाम मुविवि में भारतीय संस्कृति में सनातन की अवधारणा पर संगोष्ठी आयोजित

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की समाज विज्ञान विद्याशाखा के तत्वावधान में बुधवार को विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक सभागार में भारतीय संस्कृति में सनातन की अवधारणा विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्राचीन इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग के पूर्व आचार्य प्रोफेसर हरि नारायण दुबे ने व्याख्यान देते हुए कहा कि सनातन केवल एक धार्मिक अवधारणा नहीं, बल्कि मानवता, समरसता एवं शाश्वत जीवन–दृष्टि का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि औपनिवेशिक काल में अनेक ईसाई मिशनरियों ने भारतीय सनातन जीवन–पद्धति एवं सांस्कृतिक मूल्यों को विकृत करने का प्रयास किया, जिसका प्रभावी उत्तर महामना मदन मोहन मालवीय ने वर्ष 1933 में प्रारम्भ की गई सनातन धर्म पत्रिका के माध्यम से दिया।

उन्होंने कहा कि भारत की संस्कृति विश्व कल्याण की भावना पर आधारित है। सनातन सदैव रहने वाला विचार है, जो हमें वैदिक ऋषियों की उस परंपरा की ओर ले जाता है जिसमें धर्म का आधार सत्य, कर्तव्य और लोकमंगल है।

प्रो. दुबे ने कहा कि सनातन की सबसे बड़ी विशेषता उसकी समावेशी प्रवृत्ति है। यह किसी के प्रति वैरभाव नहीं रखता, बल्कि सभी विचारों को आत्मसात करने की क्षमता रखता है। यही कारण है कि महात्मा गौतम बुद्ध से लेकर महात्मा गांधी तक भारतीय चिंतन की मूल धारा में समरसता, सहिष्णुता और सर्वधर्म समभाव की भावना निरंतर दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि सत्य, शुद्धता और लोककल्याण ही सनातन के मूल तत्व हैं। उन्होंने कहा कि आज समाज संस्कृति से नहीं, बल्कि अपनी सभ्यता के वास्तविक स्वरूप से दूर होता जा रहा है। संस्कृति को उन्होंने पुष्प की सुगंध तथा सभ्यता को उसकी पंखुड़ियों की उपमा देते हुए कहा कि आधुनिक तकनीकी युग में मोबाइल, टेलीविजन तथा अन्य डिजिटल माध्यमों का विवेकपूर्ण उपयोग आवश्यक है, अन्यथा वे हमारी सांस्कृतिक चेतना को प्रभावित कर सकते हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि सनातन वैदिक चेतना का वह शाश्वत भाव है जो समस्त मानवता को साथ लेकर चलने की प्रेरणा देता है।भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता उसकी गतिशीलता है। इसमें न तो जड़ता है और न ही संकीर्णता है। यह निरंतर प्रवाहित होने वाली जीवनधारा है, जो प्रत्येक युग में नवीन विचारों को आत्मसात कर स्वयं को समृद्ध करती रही है।

उन्होंने कहा कि मूर्ति–पूजन मानव सभ्यता की एक प्राचीन एवं सार्वभौमिक परंपरा रही है। इतिहास के विभिन्न कालखंडों में विश्व की अनेक सभ्यताओं में इसकी उपस्थिति रही है। यदि सनातन को किसी संकीर्ण धार्मिक पहचान तक सीमित कर दिया जाए, तो उसके व्यापक मानवीय एवं सांस्कृतिक स्वरूप को समझना कठिन हो जाता है। उन्होंने कहा कि सनातन का वास्तविक स्वरूप समावेश, संवाद, सहअस्तित्व और मानव कल्याण में निहित है।

कार्यक्रम के प्रारंभ में समन्वयक एवं समाज विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रोफेसर एस कुमार ने अतिथियों का स्वागत करते हुए विषय की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। आयोजन सचिव डॉ. सुबास चन्द पाल ने आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत की। संचालन डॉ सुनील कुमार तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ त्रिविक्रम तिवारी ने किया। संगोष्ठी में विश्वविद्यालय के निदेशकगण, आचार्य, सहायक आचार्य, शोधार्थी, विद्यार्थी तथा बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

भयहरण नाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान भयहरण नाथ धाम, कटरा गुलाब सिंह, प्रतापगढ़

8 अगस्त से 16 अगस्त तक होगी भव्य शिव महापुराण कथा

भागवत भूषण विजय कांत जी महाराज के मुखारविंद से होगी कथा

प्रतापगढ़। पांडव कालीन प्रसिद्ध धार्मिक, ऐतिहासिक एवं पर्यटन स्थल भयहरणनाथ धाम, कटरा गुलाब सिंह में इस वर्ष सावन मास मेला में 8 अगस्त से 16 अगस्त तक भव्य सामूहिक शिव महापुराण क्षेत्रीय समाज द्वारा कथा व्यास भागवत भूषण विजय कांत तिवारी जी महाराज के मुखारविंद से आयोजित किया जाएगा।

प्रबन्ध संस्था भयहरण नाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान द्वारा कथा को लेकर संयोजन समिति की बैठक 26 जुलाई को सत्याग्रह के बाद होगी जिसमें कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया जायेगा।

धाम के महासचिव समाज शेखर ने बताया कि सैकड़ों वर्षों से जागृत धाम में सावन मेला की शुरुवात 2010 से प्रबन्ध संस्थान की पहल व प्रयास से प्रारंभ हुआ, अब यह महत्वपूर्ण परम्परा का रूप ग्रहण किया है, पूरे माह लाखों श्रद्धालु भगवान शिव का जलाभिषेक करने आते हैं। महासचिव समाज शेखर ने बताया कि प्रबन्धन द्वारा 08 अगस्त से 16 अगस्त 2026 तक धाम परिसर में शिव महापुराण कथा का भव्य आयोजन भी किया जा रहा है।

कथा के संयोजक मंडल में अध्यक्ष राज कुमार शुक्ल, संरक्षक देवी प्रसाद मिश्र, विधायक जीत लाल पटेल एवं नगर पंचायत अध्यक्ष अशोक कुमार 'मुन्ना' यादव, डॉ अमर बहादुर सिंह, प्रेम चंद्र अग्रहरि आदि शामिल हैं। कथा में सहभागिता व सहयोग हेतु अध्यक्ष राज कुमार शुक्ल से उनके मो. नंबर 70071 94089 पर संपर्क किया जा सकता है। वित्तीय व्यवस्था की प्रबन्धन व निगरानी हेतु उपाध्यक्ष वित्त राजीव नयन मिश्र व स्थानीय सहयोग हेतु कार्यालय प्रभारी नीरज मिश्र व स्वच्छता नायक राज कुमार गौतम को जिम्मेदारी दी गई है।

रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को सुनाया जाएगा जागरुकता गीत

नन्हे कलाकारों की कलात्मकता का रेल प्रशासन कर रहा उपयोग

9 साल के आरव और 14 साल के असित ने बनाया जागरुकता गीत

सुरक्षा और सफाई को ध्यान में रखकर तैयार किया गया हैं गीत

प्रयागराज। रेल यात्रियों को सुरक्षा और स्वच्छता का संदेश देने के लिए अब रेलवे ने एक नई और अनोखी पहल की है। जल्द ही रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों को जागरूकता गीत सुनाए जाएंगे। खास बात यह है कि इस गीत को दो नन्हे कलाकारों ने अपनी आवाज़ और सोच से तैयार किया है।

दरअसल रेल यात्रा को सुरक्षित, स्वच्छ और जिम्मेदार बनाने की दिशा में रेलवे ने एक सराहनीय कदम उठाया है। अब रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों को जागरूक करने के लिए विशेष रेल जागरूकता गीत सुनाया जाएगा।इस गीत को 9 वर्षीय आरव और 13 वर्षीय असित ने तैयार किया है। दोनों भाई ष्साई बंधुष् के नाम से जाने जाते हैं और अपनी मधुर प्रस्तुतियों के लिए पहले से ही पहचान बना चुके हैं। गीत में यात्रियों से रेलवे की संपत्ति की रक्षा करने, ट्रेनों पर पत्थरबाजी न करने, सफाई बनाए रखने और सुरक्षा नियमों का पालन करने की अपील की गई है। इसका उद्देश्य यात्रियों में जिम्मेदारी की भावना विकसित करना और रेल यात्रा को अधिक सुरक्षित बनाना है।

मुख्य जनसंपर्क अधिकारी डॉ. शिवम शर्मा ने इस रेल जागरूकता गीत के विषय में कहा कि ऐसे रचनात्मक प्रयास समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और बच्चों क माध्यम से यह पहल सभी यात्रियों के लिए प्रेरणादायक है। हमे यह उम्मीद है कि यह गीत यात्रियों तक सुरक्षा और स्वच्छता का संदेश प्रभावी ढंग से पहुंचाएगा और सभी मिलकर रेल यात्रा को और अधिक सुरक्षित तथा सुखद बनाएंगे।

गीत के बोल हैं "सुनो देश के वासियों जागो और जगाओ, भारतीय रेल को सुरक्षित स्वच्छ बनाओ, सुरक्षित सफर का संकल्प उठाओ, ट्रेनों पर पत्थर कभी ना चलाओ, सतर्क रहो और सबको समझाओ, किसी अनजान व्यक्ति से कुछ ना खाओ, कूड़ा कचरा इधर–उधर ना फैलाओ, स्वच्छ रहे रेल हमारी यह संदेश फैलाओ"स

बाढ़ ने कही कहानी

(कुण्डलिया)

दर्पण–सा निर्भीक हैं, उनके सारे कथ्य।
धीरे–धीरे बाढ़ ने, दिखा दिया वह सत्य।
दिखा दिया वह सत्य,जहाँ थी घपलेबाजी।
मूरख सबको समझ, बना था खुद ही काजी।
सुन लो कहें प्रदीप, देख दुखदायी वर्षण।
दिल से करिये मदद, हमेशा बन कर दर्पण ।।

पानी ने ही खोल दी,उनकी बन्द किताब।
छद्म प्रसिद्धी के लिए, पहने सत्य नकाब।
पहने सत्य नकाब, मदद का ढोंग रचाते।
थोड़ा सा दे दान, बहुत कुछ खुद ही खाते।
सुन लो कहें प्रदीप, बाढ़ ने कही कहानी।
बाँध हुए कमजोर, बस्तियों में है पानी।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

चंद्रशेखर आजाद की जयंती पर कलेक्ट्रेट परिसर में विचार व काव्य गोष्ठी आज

प्रतापगढ़ सदेश ठीक है बटा के अमर बलिदानी पंडित चंद्रशेखर आजाद की 120वीं जयंती आज दोपहर दो बजे से कलेक्ट्रेट परिसर में धूमधाम से मनाई जाएगी। यह जानकारी देते हुए कार्यक्रम के आयोजक, वरिष्ठ अधिवक्ता एवं साहित्यकार राज किशोर त्रिपाठी श्रागीश ने बताया कि इस पुनीत अवसर पर एक विचार एवं काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया है, जिसमें राष्ट्र प्रेमियों एवं साहित्यकारों की गरिमामयी सहभागिता होगी। कार्यक्रम के दौरान श्आजादश महाकाव्य के रचनाकार प्रेम कुमार त्रिपाठी का विशेष काव्य पाठ होगा। आयोजक राज किशोर त्रिपाठी ने बताया कि यह जनपद का गौरव है कि पंडित चंद्रशेखर आजाद अपने क्रांतिकारी साथियों के साथ मिलकर श्मतुई नमक सायरश नामक गांव में बम व हथियार बनाकर अंग्रेजों से लोहा लेते थे। उन्होंने सभी राष्ट्र प्रेमियों एवं साहित्य अनुरागी बंधुओं से आज दोपहर दो बजे कलेक्ट्रेट परिसर में पहुंचकर अमर बलिदानी को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करने की अपील की है।

मुख्यमंत्री योगी ने किए मां पाटेश्वरी के दर्शन

लखनऊ (संवाददाता)। गोरक्षपीठाधीश्वर व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुप्त नवरात्र में बुधवार सुबह तुलसीपुर में देवी शक्तिपीठ मां पाटेश्वरी मंदिर में दर्शन, पूजन–अर्चन किया। मां की आरती उतारी और सुखी, स्वस्थ व समृद्ध उत्तर प्रदेश के लिए प्रार्थना किया। मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। मुख्यमंत्री को देख बच्चे उनके पास पहुंचे, जिस पर मुख्यमंत्री ने उनसे स्नेहपूर्वक बातचीत की और चॉकलेट दी। मुख्यमंत्री ने इससे पहले 6 जून को भी मां पाटेश्वरी के दर्शन किये थे। सीएम योगी मंगलवार को बहराइच और श्रावस्ती में विकास कार्यों के लोकार्पण–शिलान्यास कार्यक्रम के बाद बलरामपुर पहुंचे। उन्होंने देवीपाटन मंदिर परिसर में रात्रि विश्राम किया। बुधवार सुबह दर्शन–पूजन के बाद मंदिर में आये श्रद्धालुओं का उन्होंने अभिवादन स्वीकार किया। सीएम ने मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा व स्वच्छता की समुचित व्यवस्था का निर्देश दिया। स्थानीय लोगों, जनप्रतिनिधियों, संतों आदि से मुलाकात भी की। इसके बाद मुख्यमंत्री ने गोरखपुर के लिए प्रस्थान किया। दर्शन–पूजन के दौरान महंत मिथिलेश नाथ योगी, कालीबाड़ी गोरखपुर के महंत रविंद्र दास आदि मौजूद रहे।

उल्टा चोर कोतवाल को डांटे–अवधेश

बोले, नैतिकता है तो इस्तीफा दें धर्मेंद्र प्रधान

लखनऊ (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने नीट पेपर लीक मामले को लेकर विपक्षी दलों के विरोध प्रदर्शन को लेकर भारतीय जनता पार्टी की सरकार पर निशाना साधा है।उन्होंने कहा कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव छात्रों के आंदोलन के साथ खड़े हैं और संसद में उनकी बात भी रख हैं,लेकिन सरकार बात करना नहीं चाहती हैं। सपा सांसद ने कहा कि कल हमारे नेता अखिलेश और पूरी पार्टी कल जंतर मंतर पर अपनी जायज मांगो के लिए डट गए।हम छात्रों के साथ खड़े हैं और संसद में उनकी बात रख रहे हैं लेकिन सरकार चर्चा नहीं चाहती।कल अखिलेश जी को हिरासत में लिया गया थ। ये खबर जंगल में आग की तरह फैल गई, जिसके बाद जो जहां प्रदेश में था सब प्रदर्शन के लिए सड़कों पर आ गए।अवधेश प्रसाद ने धर्मेंद्र प्रधान के ट्वीट पर कहा कि उल्टा चोर कोतवाल को डांटे, अगर धर्मेंद्र प्रधान में नैतिकता है तो उन्हें मंत्री पद से इस्तीफा देना चाहिए।प्रधानमंत्री को उनका इस्तीफा लेना चाहिए।राम मंदिर चढ़ावा चोरी को लेकर सपा सांसद ने कहा कि राम मन्दिर में चोरी नहीं बल्कि डकैती की गयी है। हमारे नेता ने इसका खुलासा किया, इस बात को एक महीना हो गया है लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई हैं। अब राम मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में भी कमी आई हैं। जहाँ लाखों की भीड़ होती थी, वहां अब भीड़ कुछ हजारों में ही रह गई है।अयोध्या से प्रभु की कृपा से इनकी सरकार जाएगी।सपा सांसद ने दावा किया कि आगामी विधानसभा चुनाव में यूपी में समाजवादी पार्टी की सरकार बनेगी और अखिलेश यादव उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बनेंगे।

पर्यटन मंत्री ने किया रूचि चौहान रचित काव्य संग्रह 'मन के मौसम' पुस्तक का विमोचन

लखनऊ (संवाददाता)। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने पर्यटन भवन के सभागार में रूचि चौहान द्वारा रचित काव्य संग्रह 'मन के मौसम' पुस्तक का विमोचन करते हुए लेखिका को शुभकामनाएं एवं बधाई दी। उन्होंने कहा कि काव्य संग्रह में नारी मन की कोमल भावनाओं को कविता के माध्यम से बहुत खूबसूरत ढंग से व्यक्त किया गया है। यह पुस्तक नारी समाज तथा आधी आबादी के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। मन के मौसम काव्य संग्रह में नारी हृदय की सूक्ष्म भावनाओं, विविध अनुभूतियों तथा मिलन, वियोग, त्रासदी, शोषण के अलावा अनछुए पहलुओं को भी सरल शब्दों में व्यक्त किया गया है।

सम्पादकीय.....

फुटबॉल के उतार-चढ़ाव

आखिरकार फीफा वर्ल्ड कप के फाइनल मुकाबले में स्पेन के हाथों पिछले चौंपियन अर्जेंटीना की हार के साथ ही दुनियाभर में छाया फुटबॉल का खुमार थम गया। निस्संदेह, यह फुटबॉल के इतिहास का सबसे बड़ा विश्वकप था। संभवतरू हाल के दशकों में संपन्न विश्वकप मुकाबलों में सबसे अधिक विवादास्पद भी। इस आयोजन को सफल बनाने में तीन मेजबान देशोंकृअमेरिका, कनाडा और मैक्सिको की भागीदारी रही है। इस टूर्नामेंट में 48 टीमों ने शिरकत की और 104 मैचों का आयोजन किया गया। इस आयोजन ने फुटबॉल की वैश्विक लोकप्रियता को तो दिखाया ही, साथ ही इस खेल के भविष्य को लेकर भी सवाल उठ खड़े हुए। बहरहाल, स्पेन ने 16 साल बाद अपना यह दूसरा खिताब जीता। उसने एक औसत दर्जे के फाइनल मुकाबले में मौजूदा चौंपियन अर्जेंटीना को 1–0 से हराया। वहीं दूसरी ओर तीसरे स्थान के लिए कड़ा मुकाबला टूर्नामेंट की दो सबसे शानदार टीमों इंग्लैंड और फ्रांस के बीच हुआ। इस बेहद रोमांचक और यादगार मुकाबले में इंग्लैंड ने 6–4 से जीत हासिल की। वहीं इस टूर्नामेंट में कुछ अल्प ज्ञात टीमों का प्रदर्शन फुटबॉल की दुनिया में उम्मीद जगाने वाला रहा। इस विश्व कप में कैप वर्डे, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो और कुराकाओ जैसे छोटे देशों का प्रेरणादायक खेल दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर गया। बहरहाल, एक बार फिर किलियन एम्बाप्पे और लियोनेल मेसी जैसे फुटबॉल के बड़े सितारों ने इस सबसे बड़े मंच पर अपनी चमक बिखेरी। दूसरी ओर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के लिए एक बार फिर कहानी निराशाजनक रही। उनके प्रशंसक उनकी यादगार विदाई चाहते थे। लेकिन किसी भी खिलाड़ी की कामयाबी में टीम वर्क की बड़ी भूमिका होती है। खिलाड़ियों की साझी भूमिका से ही बड़े स्टार खिलाड़ी चमक सकते हैं। यही वजह है कि किलियन एम्बाप्पे और लियोनेल मेसी जैसे अद्भुत खिलाड़ी बेहतरीन प्रदर्शन के बावजूद विश्वकप खिताब से वंचित रह गए। निस्संदेह, किसी भी मजबूत टीम के नगीनों के साझे प्रयास से ही स्वर्णिम सफलता का निर्धारण हो पाता है। बहरहाल, अब तक के सबसे बड़े और तीन देशों में खेले गए इस टूर्नामेंट के साथ कई तरह के विवाद भी जुड़े। टेक्नोलॉजी पर फीफा की बढ़ती निर्भरता को लेकर भी आलोचकों ने सवाल उठाये। विशेष रूप से वीडियो असिस्टेंट रेफरी यानी वीएआर सिस्टम को लेकर संशय पैदा हुआ। फुटबॉल प्रेमियों ने माना कि यह सिस्टम भरोसेमंद नहीं है। इसके उपयोग और भूमिका को लेकर कई खिलाड़ियों, कोचों और दर्शकों में नाराजगी देखी गई। वहीं दूसरी ओर अनिवार्य हाइड्रेशन ब्रेक को लेकर भी काफी हंगामा देखने में आया। दरअसल, ये अमेरिकी खेलों में होने वाले टैक्टिकल टाइमआउट जैसे थे। फुटबॉल प्रेमियों का आरोप था कि इससे खेल की लय टूटी है। दूसरी तरफ कमर्शियल मौके बनते देखे गए। यह पहले से तय था कि अनावश्यक दखलंदाजी के लिये चर्चित अमेरिकी राष्ट्रपति का दखल भी इस टूर्नामेंट में दिखेगा, क्योंकि इस आयोजन के मुख्य टूर्नामेंट अमेरिका में खेले जा रहे थे। इस आयोजन के दौरान तब विवाद सामने आया जब डोनाल्ड ट्रंप ने फीफा प्रमुख जियानी इन्फेंटिनो से अमेरिकी स्ट्राइकर फोलारिन बालोगुन को दिखाए गए रेड कार्ड की समीक्षा करने को कहा था। विवाद तब उठना शुरू हुआ जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की दखल के बाद अमेरिकी स्ट्राइकर फोलारिन बालोगुन पर से एक मैच का बैन हटा लिया गया, जिसके बाद बालोगुन ने राउंड–ऑफ–16 का मैच खेला। लेकिन इस अभूतपूर्व दखल के बाद दंभी अमेरिका टूर्नामेंट से बाहर होने से नहीं बच पाया। इसमें कोई हैरानी नहीं होनी चाहिए कि जब डोनाल्ड ट्रंप फीफा प्रमुख जियानी इन्फेंटिनो के साथ पुरस्कार वितरण समारोह में शामिल होने के लिये मैदान पर आए तो लोगों ने अपनी भड़ास निकालते हुए खूब हूटिंग की। उम्मीद की जानी चाहिए कि इस आयोजन के दौरान जो खामियां सामने आई, आने वाले विश्वकप में फीफा उन्हें दूर करने का प्रयास करेगा। खासकर यह सुनिश्चित करना होगा कि इनोवेशन से खेल तो बेहतर होना चाहिए, लेकिन खेल को किसी तरह का नुकसान नहीं पहुंचना चाहिए। बहरहाल, खेल की उस मूल आत्मा को अक्षुण्ण रखने की जरूरत है, जिसके चलते फुटबॉल आज दुनिया के सबसे पसंदीदा खेलों में शुमार है।

संसद तक जनता का पहुंचना

20 जुलाई 2026 का दिन हालिया राजनीतिक इतिहास में महत्वपूर्ण पन्ने की तरह दर्ज हो चुका है। 3 मई को हुए नीट पेपर लीक के बाद छात्रों की हताशा बढ़ती जा रही थी, इसके कुछ दिन बाद 15 मई को मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की तरफ से बेरोजगार युवाओं के लिए कॉकरोच संज्ञा का इस्तेमाल किया गया तो इस हताशा में लाचार नाराजगी का मिश्रण हुआ। सत्ता का अहंकार, ऊंचे पदों पर बैठे लोगों का जिम्मेदारी लेने से इंकार करना और फैसले लेने के अधिकार का घमंड दिखाना, आम जनता की हैसियत को कीड़े–मकोड़ों के समान समझना ये सारी पीड़ाएं एक साथ अलग–अलग मंचों से व्यक्त होने लगीं। इनमें कुछ राजनैतिक रहीं, कुछ गैर राजनैतिक। लेकिन किंतु–परंतु लगाते हुए सब इस बात पर तो एकमत थे ही मोदी सरकार आखिर युवाओं से बात करने क्यों नहीं आ रही। क्यों धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा नहीं हो रहा है। एनटीए में ऐसे कौन से लोग बैठे हैं, या ये लोग किन के इशारों पर काम कर रहे हैं, जिन्हें एक के बाद एक लीक होते पेपर्स पर कोई फिक्र नहीं हो रही, कोई जिम्मेदारी का बोध नहीं दिख रहा, छात्रों के लिए शून्य संवेदनशीलता के साथ ये लोग कैसे उनका ही भविष्य तय करने का काम करते हैं। 20 जुलाई को ऐसे कई अनुत्तरित सवालों की पीड़ा की समेकित अभिव्यक्ति जंतर–मंतर से हुई। कई बरसों के बाद ऐसा हुआ कि एक साथ कम से कम 50 हजार लोग जंतर–मंतर पर जुटे। इनमें से ज्यादा संख्या युवाओं और छात्रों की थी। ऐसा नहीं है कि सब के सब पेपर लीक का शिकार हुए हैं, या सारे बेरोजगार हैं। लेकिन वहां मौजूद हरेक शख्स और जो वहां नहीं पहुंच पाए, लेकिन जिनकी सद्भावनाएं प्रदर्शनकारियों के साथ रहीं कि उनका आंदोलन सफल हो, वे सारे लोग मौजूदा सरकार के गैरजिम्मेदाराना और पूरी तरह संवेदनहीन रवैये से नाराज हैं। 20 जुलाई को कॉकरोच जनता पार्टी यानी सीजेपी संसद तक कूच करेगी, ये ऐलान पहले से हो चुका था। जब सोनम वांगचुक को उठाकर जबरन अस्पताल ले जाया गया, तब अभिजित दिपके ने अपने अनशन की घोषणा करते हुए कहा था कि मार्च हो कर रहेगा। इस बीच कई विपक्षी दलों के नेता वहां पहुंचे। सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि ने कहा कि अगर सरकार की तरफ से कोई बात करने आता है तो वे अपना अनशन खत्म कर देंगे। इधर ढाई दिन बाद दिपके का अनशन तो खत्म हुआ ही, 28 जून से अनशन कर रहे छात्रों का अनशन भी खत्म करवाया गया। लेकिन इस दरम्यान युवाओं में इस सरकार के लिए जो नाराजगी भर चुकी थी, उसे खत्म करने का कोई रास्ता नहीं तलाशा जा सका। मानसून सत्र की शुरुआत हुई तो उससे पहले मीडिया को संबोधित करते हुए नरेन्द्र मोदी ने लफ्फाजी की, कुछ युवाओं की हालिया उपलब्धियों को बताते हुए मोदी ने राहुल गांधी पर भी तंज कसा कि 56 साल के युवा की बात नहीं कर रहा हूं। पता नहीं राहुल गांधी का कितना खौफ नरेन्द्र मोदी के मन में भरा हुआ है कि जहां जरूरत नहीं, वहां भी उनका जिक्र करते हुए हमला कर देते हैं। लेकिन अब नरेन्द्र मोदी और समूची एनडीए सरकार को जनता के उस तेवर से डरना चाहिए, जो सोमवार को जंतर–मंतर से लेकर संसद के रास्ते तक दिखाई दिए। जिसे बार–बार भीड़ कहकर संबोधित किया जा रहा है, दरअसल वही देश है। ये वही लोग हैं जिन्हें वाकई रोजमर्रा की दाल–रोटी का भाव पता है। नोटबंदी के समय कतारों में लगने से लेकर लॉकडाउन में मोदी के कहने पर ताली–थाली बजाने तक सारे काम इन लोगों ने किए, इसी इंतजार में कि कभी तो उनके मन की बात भी सुनी जाएगी। लेकिन जंतर–मंतर समेत देश के तमाम हिस्सों में पेपर लीक के खिलाफ उठती आवाजों को नरेन्द्र मोदी ने बड़ी आसानी से अनसुना कर दिया। माइक उनका, मीडिया उनका और संसद पर भी केवल अपना हक समझने वाले नरेन्द्र मोदी ने संसद भवन के सामने खड़े होकर बहुत कुछ कहा, लेकिन एक बार भी नौजवानों को आश्वासन नहीं दिया कि आप लोग धरने से उठ जाइए, मैं आपका प्रधानमंत्री हूं तो मैं आपके बारे में संसद में बात करूंगा। दरअसल इतना कहने के लिए वाकई बहुत हिम्मत चाहिए, जो नरेन्द्र मोदी में है ही नहीं। हिम्मत क्या होती है ये संसद की तरफ कूच करते लोगों ने दिखाई। जिन्हें कई सांसदों–विधायकों, अधिकारियों की तरह ईडी–सीबीआई का डर नहीं है। जिन्होंने जी हुजूरी को संवैधानिक जिम्मेदारी से बड़ा नहीं बनाया है। जिन्होंने किसी सार्वजनिक पद पर बैठने के लिए संविधान की शपथ नहीं ली, फिर भी इस देश का नागरिक होने के नाते संविधान और लोकतंत्र की रक्षा की जिम्मेदारी निभाने के लिए आगे आए। सोनम वांगचुक हो सकता है एलजी विनय सक्सेना के कहने पर अभिजित दिपके के साथ आए। अभिजित दिपके हो सकता है आम आदमी पार्टी के समर्थन से नया आंदोलन छेड़ने के लिए खड़े हुए। अभी कहा नहीं जा सकता कि इन लोगों का अगला कदम क्या होगा। लेकिन इस वजह से जंतर–मंतर पर आंदोलन के लिए उतरे लोगों की नाराजगी को न नकारा जा सकता है, न अनदेखा किया जा सकता है। मूड ऑफ द नेशन यानी देशवासियों का मिजाज असल में क्या है, वो जंतर–मंतर पर देखा गया। इकट्ठा हुए लोगों की राजनैतिक प्रतिबद्धताएं भी अलग–अलग हो सकती हैं। लेकिन यह तो साफ नजर आया कि मोदी सरकार के लिए अब नाराजगी इतनी बढ़ चुकी है, जिसे दूर करने की कोशिश समय रहते नहीं की गई तो सत्ता पर टिके रहना कठिन हो जाएगा। हमेशा की तरह इस बार भी मुद्दे को भटकाने की कोशिशें जारी हैं। जंतर–मंतर पर लाठी चार्ज और आंसू गैस के गोले छोड़े गए, और हालात कुछ समय के लिए बेकाबू हुए तो फौरन इसका इल्जाम प्रदर्शनकारियों पर डाला गया। लेकिन इस बीच दो तस्वीरें आईं, एक संसद के प्रवेशद्वार पर बंदूकों को तानकर सुरक्षाबल खड़ा है, मानो प्रदर्शनकारी आतंकी हों, यह चीन के तियेनमान चौक जैसी किसी घटना की आशंका उपजाती है। दूसरी एक प्रदर्शनकारी को पुलिस वाले मारते हैं और वह पलट कर कहता है और मारो सर। कुछ देर बाद उसे एक महिला पुलिसकर्मी ले जाती है। मार खाने के बाद उस युवक का बेखौफ चेहरा बता रहा है कि अब मामला मोदी सरकार के हाथ से निकल चुका है। अपने मंच यानी संसद तक जनता पहुंच चुकी है।

शिष्य का पत्र गुरू के नाम

सफलता के बाद लिखा...

गुरूर्ब्रह्मा गुरूर्विष्णुः गुरूर्देवो महेश्वरः ।

गुरूर्साक्षात परब्रह्म तस्मै श्री गुरवे नमः ।।

गुरूजी

सादर सप्रेम चरणस्पर्श,

उम्मीद करता हूं आप स्वस्थ और आनंदित होंगे।

मुझे नहीं पता कि मैं आपके स्मृतियों के किसी कोने में हूं या नहीं, मैं आपका शिष्य सर्व + ईश = सर्वेश, हां बिल्कुल इसी तरह विच्छेद सहित इस नाम से आप मुझे अक्सर बुलाया करते थे हालांकि मैंने कभी ऐसा काम नहीं किया ना उत्कृष्ट ना निकृष्ट कि आपकी जुबान पर मेरा नाम आए बस मैं आपके बताए गए रास्ते पर आँख बंद करके शांति से चलता रहा और उसका परिणाम आपको जानकर खुशी होगी कि मैं उत्तर प्रदेश पुलिस का छोटा सा हिस्सा सिपाही बन गया हूं । न केवल मैं बल्कि मेरे सगे भैया भी हम दोनों भाई एक साथ चयनित हुए आपके बताएं रास्तों के साथ – साथ मैं अपने बड़े भैया के पद चिन्हों पर चलता रहा , पूरे कौशांबी में मेरी सातवीं रैंक और मेरे भैया की अठाइसवीं रैंक रही।

सर मैं आपका बहुत बहुत आभारी हूं कि आपने और संगीता मैम ने हिंदी के प्रति मेरे अंदर प्रेम को जगाया उसी हिंदी के प्रति प्रेम के बदौलत मैं हिंदी पढ़ना जारी रख पाया जिसके

बदौलत उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती परीक्षा में 40 में से 37 प्रश्न सही कर पाया एक गलत जबकि दो अनुत्तरित रहे । आज आपको जब यह पत्र लिख रहा हूं तो सब कुछ मानो एक चलचित्र के भांति आँखो के सामने चल रहा हो । ऐसा लग रहा मानो अभी कल तक तो, मैं आपके सामने कक्षा में बैठा था और आज यहां आ गया। वो कक्षा का माहौल, मेरे आस पास बैठे मेरे मित्र, सहपाठी, वो बगल के बेंच पर बैठी छात्राएं ,वह पृष्ठभूमि से आता हुआ पूरे विद्यालय का मंद कोलाहल, वह किसी अध्यापिका द्वारा मेज़ पर डंडा पटक कर शांत करते हुए बच्चे, वो घंटी की आवाज ,सब कुछ साफ – साफ मुझे सुनाई और दिखाई दे रहा है।

वो आपका हमें घंटो तक जीवन के अनुभवों का साझा करना, जीवन जीना सिखाना, जिसे हम अंग्रेजी भाषा में मोरल साइंस(नैतिक शिक्षा) कहते हैं। वो आपका अपने तरीके से अपना मुंह पोंछना, जिसकी हम कुछ दोस्त आपस में नकल भी किया करते। हमें समझाते हुए वो आपकी की आँखो ,भौवों का कभी दाएं , कभी बाएं , कभी ऊपर, कभी नीचे घूमना , वो आपका कभी किसी बात पर गुस्सा होना , सब कुछ , सारी यादें जीवंत हो उठी मानो किसी ने मेरे विष्णु भगवान पब्लिक स्कूल की यादों से भरी थाली मेरे सामने परोस दी हो।

बाकी मुझे उत्तर प्रदेश पुलिस सेवा में 17 जून 2026 को 1 वर्ष पूरे हो गए। मेरी नियुक्ति जनपद गाजीपुर के थाना जमानियां के चौकी देवैथा में है। यहां ग्रामीण परिवेश, चारों तरफ फैली साफ सुथरी नहरें , खेत खलिहान, खेतों में हरी भरी धान की फसलें, ऊँचे – ऊँचे ताड़ के वृक्ष , सुबह–सुबह ताड़ के वृक्षों के बीच से झांकता हुआ सूरज, सुबह – सुबह पक्षियों के चहचहाने की आवाज , मेरे मकान मालिक के पाले हुए खरगोश को आपस में खेलते हुए देखना, ईमानदार ,कर्तव्य के प्रति सजग वरिष्ठ सहकर्मी ,अच्छे सहयोगातुर ग्रामीण लोग, पूर्वांचल की प्यारी मीठी भाषा, उनका हमें श सिपाही जी श कहकर बुलाना रास्ते में आते–जाते वक्त लोगों का शसिपाही जी नमस्कारश कह कर अभिवादन सब कुछ बहुत प्यारा है।

एक बार फिर से आपका अनंत सादर आभार

–सर्वेश प्रजापति

संसद के मानसून सत्र में जारी रहेगी गरमा–गरमी

डॉ. ज्ञान पाठक

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के 20 जुलाई के संसद मार्च को विफल करने के लिए दिल्ली पुलिस ने

आखिरकार लाठी चार्ज का सहारा लिया। विपक्षी नेताओं, सीजेपी कार्यकर्ताओं और बड़ी संख्या में लेखकों, कलाकारों, मशहूर हस्तियों और आम लोगों का कहना है कि यह लोकतांत्रिक आंदोलन को जबरदस्ती दबाने की कोशिश के अलावा और कुछ नहीं है। सीजेपीआंदोलन, जो 16 मई को अभिजीत दिपके द्वारा एक व्यंग्यात्मक ऑनलाइन आंदोलन के तौर पर शुरू किया गया था, अब इतना बड़ा हो चुका है कि जानकारों का मानना है कि इसे दबाया नहीं जा सकता, क्योंकि इसे समाज के सभी वर्गों और देश की सभी विपक्षी पार्टियों से भारी समर्थन मिला है। अब जाकर खबर आई है कि केंद्र सरकार प्रदर्शनकारियों से बात करने को तैयार है, पर अब तक वह सीजेपी के आन्दोलन का जवाब जोर जबरदस्ती से देती रही है। उन्होंने लगभग विरोध स्थल को सील कर दिया और प्रदर्शनकारियों के लिए लॉजिस्टिक्स से जुड़ी बड़ी मुश्किलें खड़ी कर दीं। अब सीजेपी कार्यकर्ताओं और विपक्षी नेताओं ने अपना रुख और कड़ा कर लिया है, विरोध जारी रखने का संकल्प लिया है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस्तीफे की भी मांग की है। संसद के बाहर विरोध प्रदर्शन के तेज होने के कारण मानसून सत्र के हंगामेदार होने की पूरी संभावना है। हालांकि, विपक्ष केंद्र सरकार द्वारा सीजेपीके श्लोकतांत्रिक विरोध को दबानेश और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान (जिनके इस्तीफे की वे पहले ही मांग कर चुके हैं) को बचाने के मुद्दे पर सदन के भीतर विरोध प्रदर्शन करने की योजना बना रहा है।

ब्रिटेन का अनिर्वाचित प्रधानमंत्री

असद मिर्जा

एंडी बर्नहैम सोमवार, 20 जुलाई 2026, को एक दशक में ब्रिटेन के सातवें प्रधानमंत्री बनेकृ और यह उपलब्धि उन्होंने जनता के एक भी वोट के बिना हासिल की। किंग ऑफ द नॉर्थ के नाम से मशहूर बर्नहैम को ऐसे देश की कमान मिली है जो अब भी ब्रेग्जिट की कीमत चुका रहा है, जहां लेबर पार्टी दक्षिणपंथी रिफॉर्म यूके के हाथों समर्थन गंवा रही है, और जहां वैश्विक कूटनीति बदल रही है। सवाल यह है कि क्या एक अनिर्वाचित नेता, जिसकी क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाएं बड़ी हैं, उम्मीद को वास्तविक शासन में बदल सकता है। बर्नहैम का उभार काफी अप्रत्याशित रहा है। वेस्टमिंस्टर छोड़कर ग्रेटर मैनचेस्टर के मेयर बने नौ साल बाद, वे कुछ ही हफ्ते पहले संसद लौटेकृ जून में मेकरफील्ड उपचुनाव जीतकर कृ और फिर लगभग निर्विरोध लेबर नेतृत्व हासिल कर लिया। कीर स्टार्मर, जो अपनी ही पार्टी की बगावत और मई के स्थानीय चुनावों में खराब प्रदर्शन से थक चुके थे, ने पिछले महीने इस्तीफे की घोषणा की, जिससे बर्नहैम के लिए रास्ता साफ हो गयाकृ बिना किसी आम चुनाव या प्रतिस्पर्धी नेतृत्व दौड़ के। लंदन के एक विश्लेषक के शब्दों में वे हाल के वर्षों के सबसे कम जांचे–परखे प्रधानमंत्री बन गए हैं कृ ऐसे नेता जिनकी राष्ट्रीय नीतियों को कभी पूर्ण चुनाव अभियान की कसौटी पर नहीं परखा गया। आलोचक बताते हैं कि वे पिछले आम चुनाव में उम्मीदवार तक नहीं थे, और उनका एजेंडा वर्षों नहीं बल्कि हफ्तों में तैयार हुआ। समर्थक जवाब देते हैं कि बर्नहैम तीन बार सीधे ग्रेटर मैनचेस्टर के मेयर चुने गए हैंकृएक व्यक्तिगत जनादेश जो वेस्टमिंस्टर के कम ही नेताओं के पास हैकृ और उन्होंने लगभग एक दशक तक विकेंद्रीकृत, समुदाय–केंद्रित शासन–शैली, जिसे मैनचेस्टरिज्म कहा जाता है, को आजमाया है, जिसे अब वे राष्ट्रीय स्तर पर लागू करना चाहते हैं। ब्रिटेन के संविधान में प्रधानमंत्री को व्यक्तिगत रूप से राष्ट्रीय चुनाव जीतने की जरूरत कभी नहीं रहीकृ सत्ता उसी के पास जाती है जो हाउस ऑफ कॉमन्स का विश्वास जीत सके। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से ब्रिटेन के लगभग आधे प्रधानमंत्री चर्चिल, ईडन, मैकमिलन, डगलस–होम, कैलाघन, मेजर और ब्राउनकृ इसी तरह, संसद के बीच में, बिना नई जनता की मंजूरी के सत्ता में आए। यहां जो पैटर्न उभरता है वह यह है रू जो टेकओवर प्रधानमंत्री ते□ी से कदम उठाते हैं और अपना जनादेश जल्दी हासिल कर लेते हैं, वे उन लोगों से बेहतर करते हैं जो देर करते हैं। बर्नहैम को यही चुनाव करना होगा, विश्लेषकों का कहना है कि बर्नहैम के पास राजकोषीय गुंजाइश बहुत कम है और उन्हें ऐसी अर्थव्यवस्था विरासत में मिली है जो दो दशकों से मुश्किल से बढ़ी है। बर्नहैम का मूल तर्क है कि ब्रिटेन में विकास अत्यधिक केंद्रीकरण के कारण रुका हुआ है। मैनचेस्टर में दिए अपने पहले बड़े नीति भाषण में उन्होंने श्सत्ता के सबसे बड़े पुनर्संतुलनश का वादा किया, यह कहते हुए कि श्विकास ऊपर से थोपा नहीं जा सकता, यह नीचे से पनपता है।श उनके एजेंडे में क्षेत्रों को राजकोषीय व प्रशासनिक शक्ति सौंपना, जीवन–स्तर सुधारने का दस–वर्षीय मिशन, बड़े पैमाने पर काउंसिल–हाउस निर्माण, सस्ता सार्वजनिक परिवहन, और निजीकृत सेवाओं में सुधार शामिल हैं। उन्होंने वित्तीय बाजारों को आश्वस्त करने की कोशिश की है कि यह वामपंथी खर्चीली नीति की वापसी नहीं है। इस संतुलन की परीक्षा जल्द होगी। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार ब्रिटेन का मध्यम वर्ग आर्थिक दबाव में झुकता दिख रहा हैकृ 2021 से मध्यम आयवर्ग में डायरेक्ट–डेबिट भुगतान चूकने वालों की संख्या दोगुनी हो गई है। कुछ लोग अटकल लगा रहे हैं कि बर्नहैम, जो स्टार्मर से बाईं ओर झुककर शासन कर रहे हैं, दक्षिण–पूर्व के महंगे घरों पर नई संपत्ति–कर लगा सकते हैं, जो ठीक उसी दबे हुए मध्यम वर्ग को नाराज कर सकता है जिसकी मदद का उन्होंने वादा किया है। बर्नहैम को विदेश–नीति का बहुत कम अनुभव है, उनका अंतरराष्ट्रीय अनुभव मुख्यतः मैनचेस्टर मेयर के रूप में चीन की व्यापार–यात्राओं तक सीमित है। अमेरिका बर्नहैम डोनाल्ड ट्रंप के मुखर आलोचक रहे हैं। प्रधानमंत्री के रूप में वे ब्रिटेन की वाशिंगटन पर निर्भरता घटाने की व्यापक ब्रेग्जिट–पश्चात रणनीति को आगे बढ़ाएंगे, जबकि नाटो और यूक्रेन–समर्थन जैसे मामलों में अटलांटिक सुरक्षा–संबंध बनाए रखेंगे। चीन बर्नहैम का रुख अपने अधिकतर मंत्रिमंडल सहयोगियों से अधिक नरम है। चीनी सरकारी मीडिया उन्हें व्यावहारिक नेता मानता है, लेकिन ब्रिटिश स्टील के स्कनथॉर्प संयंत्र के राष्ट्रीयकरण जो पहले चीन के जिंग्ये समूह के स्वामित्व में थाकृ को लेकर तनाव उनके कार्यकाल की शुरुआत से ही मौजूद है। भारत भारत के साथ रिश्ते बदलाव से सबसे कम प्रभावित दिखते हैं। बर्नहैम भारत–यूके व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता (ष्टश्वञ्ज्ञ) लागू होने के कुछ ही दिनों बाद पद संभाल रहे हैं। रणनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह रिश्ता श्एक दशक में सबसे बेहतरश है, और बर्नहैम ने मुंबई, बेंगलुरु व दिल्ली की यात्राओं सहित वर्षों से भारत के साथ संबंध बनाए हैं।

यथार्थ का प्रवाहन

समाज शेखर

कोई बनावट है, न कोई श्रृंगार है,
जैसी भीतर की हलचल, वैसा ही व्यवहार है।
कभी इसे खिचड़ी कहा, कभी जलजले का शोर,
न कोई इसका नियम है, न कोई ओर–छोर।
कभी श्आपश का आदर है, कभी श्रास्तेश की धूल,
इस सहज बहाव में, सब स्वीकार हैं अनुकूल।
जिसने देखा तटस्थ होकर, उसे समझ आया यह मर्म,
इस अनगढ़ बहती भाषा का, बस बहना ही है धर्म।
नियमों के बंधनों से दूर, यह बहती अविरल धार है,
यह जैसी है वैसी ही प्रकट है, यही इसका असली सार है।

टॉक्सिक की दुनिया में प्यार और रहस्य का नया अध्याय, यश-तारा सुतारिया के मधोष ने बढ़ाई उत्सुकता

रॉकिंग स्टार यश और अभिनेत्री तारा सुतारिया की बहुप्रतीक्षित फिल्म टॉक्सिक ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन–अप्सश का नया गाना मधोष रिलीज हो गया है। फिल्म की कहानी की परतों को धीरे–धीरे सामने ला रहे इस गाने में दर्शकों को राया और रेबेका के रिश्ते की एक नई झलक देखने को मिलती है। इससे पहले रिलीज हुए गाने तबाही में जहां यश और कियारा आडवाणी के किरदार के बीच रिश्ते की तीव्रता दिखाई गई थी, वहीं मधोष राया और रेबेका के बीच सहज और खूबसूरत जुड़ाव को दर्शाता है। मधोष में यश और तारा सुतारिया की केमिस्ट्री को बेहद खास अंदाज में पेश किया गया है। गाने में दोनों के बीच हंसी–मजाक, छोटी–छोटी बातचीत और भावनात्मक पलों के जरिए उनके रिश्ते की गर्मजोशी दिखाई गई है। एक अनोखे अंदाज में किया गया प्रपोजल और दोनों के बीच की सहज बॉन्डिंग राया और रेबेका के रिश्ते को अलग पहचान देती है। यह गाना यश के किरदार का एक हल्का–फुल्का और बेपरवाह पक्ष भी सामने लाता है। हालांकि मधोष सिर्फ राया और रेबेका की कहानी तक सीमित नहीं है। गाने में यश और नयनतारा के किरदार के बीच विश्वास, समझ और एक साझा उद्देश्य की झलक भी देखने को मिलती है। वहीं यश और कियारा आडवाणी के किरदार के बीच नजर आने वाली खामोश भावनाएं और गहरी नजरें कहानी में मौजूद जटिल रिश्तों की ओर इशारा करती हैं। फिल्म के अन्य महत्वपूर्ण किरदारों की झलक भी इसकी कहानी को और रहस्यमयी बनाती है। यश द्वारा लिखित, निर्मित और अभिनीत टॉक्सिक ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन–अप्स का निर्देशन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चित फिल्ममेकर गीतू मोहनदास ने किया है। फिल्म का निर्माण केवीएन प्रोडक्शंस और मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस के बैनर तले किया गया है। फिल्म में यश के साथ नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, रुक्मिणी वसंत और हुमा कुरैशी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म अंग्रेजी और कन्नड़ में शूट की गई है और हिंदी, तेलुगु, तमिल और मलयालम भाषाओं में डब होकर 26 अगस्त 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

> “ हालांकि मधोष सिर्फ राया और रेबेका की कहानी तक सीमित नहीं है। गाने में यश और नयनतारा के किरदार के बीच विश्वास, समझ और एक साझा उद्देश्य की झलक भी देखने को मिलती है। वहीं यश और कियारा आडवाणी के किरदार के बीच नजर आने वाली खामोश भावनाएं और गहरी नजरें कहानी में मौजूद जटिल रिश्तों की ओर इशारा करती हैं।

सीजेपी प्रदर्शन के दौरान शबाना आजमी को आया अस्थमा अटैक, कहा– ‘आंसू गैस की वजह से बिगड़ी तबीयत’

75 साल की शबाना आजमी ने बताया कि सोमवार को ‘चलो संसद’ मार्च के दौरान आंसू गैस के संपर्क में आने से उनकी तबीयत बिगड़ गई। वह छात्रों के समर्थन में इस प्रदर्शन में शामिल हुई थीं, जहां परीक्षा में गड़बड़ी और पेपर लीक के मुद्दे पर कार्रवाई की मांग की जा रही है। इंडियन एक्सप्रेस को दिए इंटरव्यू में शबाना आजमी ने बताया कि यह अटैक आंसू गैस (जमंत हें) की वजह से हुआ था। हालांकि, ठीक होने के बाद वह दोबारा प्रदर्शन में शामिल हुईं और छात्रों का समर्थन किया। शबाना ने कहा कि उन्हें इनहेलर (पंप) की मदद से राहत मिली और वह जल्द ही ठीक हो गईं। उन्होंने बताया, ‘मुझे अस्थमा है और आंसू गैस की वजह से अटैक आ गया था, लेकिन मेरे पास मेरा पंप था, इसलिए अब मैं ठीक हूं।’ उन्होंने यह भी बताया कि तबीयत बिगड़ने पर उन्हें पास की एक बिल्डिंग में ले जाया गया था। ठीक होने के बाद वह वापस आईं और उन छात्रों से मिलीं जो प्रदर्शन के दौरान घायल हो गए थे। शबाना आजमी ने यह भी बताया कि उन्होंने और उनके पति जावेद अख्तर ने पहले इस मुद्दे को प्रधानमंत्री तक चिट्ठी के जरिए पहुंचाने की कोशिश की थी। उन्होंने कहा, ‘हमने 15 जुलाई को प्रधानमंत्री को पत्र लिखा था और सोनम वांगचुक से बातचीत शुरू करने की अपील की थी। हमें जवाब मिला कि दो दिन में प्रतिक्रिया दी जाएगी, लेकिन काफी इंतजार के बाद भी कोई जवाब नहीं आया, इसलिए हमें यहां आना पड़ा।’ उन्होंने यह भी कहा कि प्रदर्शन के दौरान उन्होंने आंसू गैस और पुलिस की कार्रवाई देखी, लेकिन इसके बावजूद छात्र शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगों पर डटे रहे और सरकार से बातचीत की मांग करते रहे। इस ‘चलो संसद’ मार्च में शबाना आजमी फिल्म इंडस्ट्री की उन गिनी–चुनी हस्तियों में से थीं, जो खुद ग्राउंड पर पहुंचीं। बाद में उन्होंने अभिनेता प्रकाश राज और सीजेपी के अभिजीत दिपके के साथ मार्च का एक वीडियो भी शेयर किया।

रामायणम् में रकुल प्रीत सिंह से राणाबाली में विजय देवरकोंडा तक, 2026 की यह हैं दमदार परफॉर्मेंस

बड़े बजट की एंटरटेनर, एक्शन फिल्मों और कंटेंट से भरपूर फिल्मों की एक रोमांचक लाइनअप के साथ, 2026 आज के सबसे बड़े स्टार्स की कुछ सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली परफॉर्मेंस दिखाने का वादा करता है। यहां उन एक्टर्स पर एक नजर डालते हैं जिनसे बड़े पर्दे पर जबरदस्त असर डालने की उम्मीद है। पति पत्नी और वो दो 2 में अपनी शानदार परफॉर्मेंस के बाद, रकुल प्रीत सिंह रामायणम् की शानदार दुनिया में सूर्पनखा के रूप में कदम रख रही हैं। भारतीय सिनेमा की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक का हिस्सा होने के कारण यह उनकी अब तक की सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली परफॉर्मेंस में से एक है। मटका किंग की सफलता के बाद, विजय वर्मा फैमिली बिजनेस में अनिल कपूर के साथ दर्शकों के साथ फिर से जुड़ रहे हैं, जहाँ दोनों जबरदस्त स्टार्स की टक्कर है। हर रोल में ढल जाने के लिए जाने जाने वाले, उनसे एक और बारीक और यादगार परफॉर्मेंस की उम्मीदें बहुत ज्यादा हैं। उड़ता तीर में सारा अली खान एक रोमांचक नया रोल कर रही हैं। उम्मीद है कि इस फिल्म में वह आयुष्मान खुराना के साथ एक रिफ्रेशिंग अवतार में दिखेंगी। सारा के कैरेक्टर के बारे में खास बातें प्रोडक्शन टीम ने अभी गुप्त रखी हैं। हालांकि, यह फिल्म ह्यूमर और फैमिली एंटरटेनमेंट पर ज्यादा फोकस करने के लिए जानी जाती है। फैमिली बिजनेस रिया चक्रवर्ती के लिए एक जरूरी प्रोजेक्ट है। दर्शक उन्हें एक अहम रोल में देखने के लिए उत्सुक हैं क्योंकि वह एक ऐसी परफॉर्मेंस के साथ लौट रही हैं जिससे एक गहरी छाप छोड़ने की उम्मीद है। टॉक्सिक ने पहले ही उत्साह पैदा कर दिया है, तारा सुतारिया के शानदार लुक ने ध्यान खींचा है। यश के साथ, उनसे इस बड़ी एंटरटेनर फिल्म में अपनी सबसे चर्चित परफॉर्मेंस में से एक देने की उम्मीद है। पुष्पा 2, छावा और कॉकटेल 2 जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों के बाद, रश्मिका मंदाना राणाबाली और मायसा के साथ अपना शानदार काम जारी रखे हुए हैं। दोनों प्रोजेक्ट्स में अलग–अलग किरदार हैं, जिससे दर्शकों को अलग–अलग सिनेमाई दुनिया में उनकी शानदार रेंज देखने का एक और मौका मिलेगा।

राणाबाली और राउडी जनार्दन में विजय देवरकोंडा

विजय देवरकोंडा रानाबली और राउडी जनार्दन के साथ दो रोमांचक रिलीज के हेडलाइनर हैं। फैंस उनसे एक्शन, इमोशन और बड़े–से–जबरदस्त पलों से भरे अलग–अलग किरदारों के जरिए अपनी वर्सेटाइल स्किल दिखाने की उम्मीद करते हैं।

सरदार 2 में मालविका मोहनन

मालविका मोहनन सरदार 2 में शामिल हो गई हैं, जिसका बेसब्री से इंतजार था। फिल्म को लेकर बढ़ती उम्मीदों के साथ, दर्शक उन्हें स्क्रीन पर एक और कॉन्फिडेंट और असरदार परफॉर्मेंस देते हुए देखने के लिए उत्साहित हैं।

फौजी में प्रभास

प्रभास फौजी में हैं, यह फिल्म पहले से ही बहुत इंतजार में है। पहले लुक के बाद, फैंस उन्हें एक और बड़े प्रोजेक्ट में देखने के लिए उत्साहित हैं, जिसमें एक्शन, इमोशन और पूरी फिल्म में जबरदस्त परफॉर्मेंस का वादा किया गया है।

कीर्ति सुरेश की रफ्तार और राउडी जनार्दन में

कीर्ति सुरेश की रफ्तार और राउडी जनार्दन के साथ दो अच्छी रिलीज हुई हैं। कमर्शियल एंटरटेनर और परफॉर्मेंस वाले रोल के बीच बैलेंस बनाने के लिए जानी जाने वाली, उनसे दोनों फिल्मों में एक बार फिर इम्प्रेस करने की उम्मीद है।

तापसी पन्नू की गांधारी

तापसी पन्नू की गांधारी 2026 की सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली कंटेंट वाली फिल्मों में से एक है। चौलेंजिंग रोल चुनने के लिए पहचानी जाने वाली, उनसे एक और दमदार, इमोशनल और असरदार परफॉर्मेंस की उम्मीद है।

दीपिका पादुकोण की किंग

दीपिका पादुकोण शाहरुख खान के साथ किंग में फिर से काम कर रही हैं, जो आने वाली सबसे बड़ी फिल्मों में से एक है। उनकी जबरदस्त स्क्रीन प्रेजेंस और आसान परफॉर्मेंस हर रोल को बेसब्री से इंतजार वाला बनाती है।

शाहरुख खान की किंग

शाहरुख खान की किंग में कई ब्लॉकबस्टर परफॉर्मेंस देने के बाद, शाहरुख खान 2026 की सबसे बड़ी रिलीज में से एक, किंग के साथ वापसी कर रहे हैं। एक और करिश्माई और दमदार परफॉर्मेंस की उम्मीदें बहुत ज्यादा हैं।

करिश्मा तन्ना ने प्रेग्नेंसी में भी नहीं छोड़ा वर्कआउट, शेयर कीं फोटोज, 42 की उम्र में मां बनेंगी अभिनेत्री

अभिनेत्री करिश्मा तन्ना प्रेग्नेंसी को एंजॉय कर रही हैं। वे अपना भरपूर ख्याल रख रही हैं। इसकी झलकियां अक्सर सोशल मीडिया पर साझा करती रहती हैं। दिलचस्प बात ये है कि उन्होंने गर्भावस्था में भी वर्कआउट करना जारी रखा है। उन्होंने अपनी कुछ तस्वीरें साझा की हैं। करिश्मा तन्ना ने आज बुधवार को अपनी कुछ फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। उन्होंने अपनी कई फोटोज साझा की हैं, जिनमें वे अपना पसंदीदा खाना एंजॉय करती दिख रही हैं। परिवार के साथ क्वालिटी टाइम बिता रही हैं। साथ ही एक फोटो में वे वर्कआउट भी करती दिखी हैं। प्रेग्नेंसी में करिश्मा तन्ना केसर आम का लुत्फ उठाती नजर आ रही हैं। उन्हें ये आम नीता अंबानी ने भेजे हैं। एक्ट्रेस ने जो तस्वीर साझा की है, उस पर एक खास मैसेज भी लिखा है। इसके अलावा वे चाइनीज फूड भी एंजॉय कर रही हैं। करिश्मा तन्ना ने अपनी एक मिरर सेल्फी भी शेयर की है। साथ ही एक फोटो में वे पति वरुण बंगेरा के साथ नजर आ रही हैं। बता दें कि करिश्मा और वरुण की शादी साल 2022 में हुई थी। कपल अपने पहले बच्चे का स्वागत करने को तैयार हैं।

‘गुस्से से खौल रहा हूं’, नसीरुद्दीन शाह ने दिल्ली पुलिस को कहा ‘गुंडा’ छात्रों पर लाठीचार्ज करने पर भड़के

एक्टर नसीरुद्दीन शाह ने चल रहे छात्र प्रदर्शन पर अपनी तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने लाठीचार्ज करने वाले दिल्ली पुलिस कर्मियों की तुलना अमेरिका के प्ब् एजेंट्स से की। अपने गुस्से भरे संदेश में उन्होंने कहा कि प्रदर्शन की तस्वीरें देखकर उन्हें बहुत दुख और गुस्सा आया, लेकिन उन्होंने युवाओं से हिम्मत न हारने और लड़ाई जारी रखने की अपील भी की। सीजेपी के ‘चलो संसद’ मार्च के दौरान दिल्ली पुलिस द्वारा किए गए लाठीचार्ज के एक दिन बाद नसीरुद्दीन शाह ने वीडियो संदेश जारी किया। यह वीडियो ब्श्रच के सोशल मीडिया अकाउंट्स पर मंगलवार रात को शेयर किया गया। उर्दू में बात करते हुए उन्होंने कहा, ‘अगर एक जाहिल इस मुल्क की रहनुमाई करे तो उसका दिल यही चाहेगा कि पूरा मुल्क उसी की तरह जाहिल, नासमझ, नाकाबिल और बेरहम बने।’ छात्रों पर हुए लाठीचार्ज पर उन्होंने आगे कहा, ‘इस वक्त मेरा दिल भी भरा हुआ है और मैं गुस्से से खौल भी रहा हूं यह देखकर कि हमारे बच्चों के साथ किस तरह जुल्म किया जा रहा है उन गुंडों के हाथों, जो मुझे अमेरिका के प्ब् एजेंट्स की याद दिलाते हैं, मुंह पर नकाब लगाए हुए, हाथ में डंडा लिए हुए। कभी अपने बच्चों के बारे में भी सोचा करो और यह भी सोचो कि तुम्हारा अंजाम तुम्हें भी एक दिन जरूर मिलेगा।’ अपने वीडियो के आखिर में उन्होंने छात्रों से अपील की। उन्होंने कहा, ‘मैं इन सभी बच्चों से कहना चाहता हूं कि हिम्मत न हारें। बहुत से लोगों की हमदर्दी आपके साथ है। बहुत से लोग आपके साथ हैं। आप अपनी लड़ाई लड़ते रहें। मुझे हमारे देश की युवा पीढ़ी से हमेशा उम्मीद रही है और अब वह उम्मीद और बढ़ गई है। वहीं, प्रदर्शनकारियों का कहना है कि पुलिस ने बिना भेदभाव के उन पर हमला किया, जिससे कई लोग घायल हुए। सोशल मीडिया पर कई वीडियो सामने आए हैं, जिनमें पुलिस छात्रों पर लाठीचार्ज करती और आंसू गैस छोड़ती दिख रही है। प्रदर्शनकारियों ने यह भी आरोप लगाया कि कुछ लोग सिविल कपड़ों में आकर भी उन पर हमला कर रहे थे। इसमें शिक्षा व्यवस्था में गड़बड़ी, खासकर छम्म्ज परीक्षा पेपर लीक के आरोपों को लेकर विरोध हो रहा है। सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक भी इस महीने की शुरुआत में इस प्रदर्शन में शामिल हुए और जंतर–मंतर पर भूख हड़ताल शुरू की।

क्या आपके बच्चे को भी बोरिंग लगता है कोई सब्जेक्ट, इंटरेस्ट बनवाने के लिए करें ये काम

स्कूल लाइफ में बच्चों को कई सारे सब्जेक्ट एक साथ पढ़ाए जाते हैं। ऐसे में ये जरूरी नहीं कि बच्चों का इंटरेस्ट सभी सब्जेक्ट में एक बराबर हो। कुछ सब्जेक्ट ऐसे होते हैं जो बच्चों को बोरिंग लग सकते हैं। अगर आपके बच्चे को कोई सब्जेक्ट बोरिंग लगता है तो उसकी तरफ कम ध्यान देता है। ऐसे में वह इन विषयों में कमजोर हो सकता है। दरअसल, स्कूल में अक्सर कुछ बच्चे मैथ और साइंस जैसे टेक्नीकल सब्जेक्ट में तेज होते हैं. वहीं, कुछ बच्चों को हिस्ट्री और भूगोल जैसे सब्जेक्ट पढ़ने में मजा आता है। ऐसे में बच्चों के कमजोर विषय को मजबूत बनाने के लिए सबसे पहले उन सब्जेक्ट में उनका इंटरेस्ट बनवाना होगा। यहां कुछ तरीके हैं जो आपको काम आ सकते हैं।

टाइम टेबल बनाएं– किसी बोरिंग सब्जेक्ट में बच्चे का इंटरेस्ट बढ़ाना चाहते हैं तो उसका टाइम टेबल सेट कराएं। टाइम टेबल में उन सब्जेक्ट को भी शामिल करवाएं जिससे पढ़ने से बच्चा कतराता है।

इंटरेस्ट बनवाएं– आपको बच्चों को पढ़ाते समय उनका इंटरेस्ट डेवलप करना चाहिए। अगर बच्चे को किसी सब्जेक्ट में रुचि नहीं है तो वह उसे मन लगाकर नहीं पढ़ेगा। ऐसे में किसी बोरिंग सब्जेक्ट को पढ़ाने के लिए सबसे अच्छा तरीका है कि आप गेम्स के साथ–साथ पढ़ाई करवाएं। इससे उनका इंटरेस्ट डेवलप होगा और साथ ही वह पढ़ाई करते समय बोर नहीं होंगे।

ब्रेक लें– बच्चे को जो सब्जेक्ट बोरिंग लगता है तो उसे पढ़ाते समये कुछ देर का गैप लें। इसके लिए 25 मिनट तक पढ़ाई करें और अगले पांच मिनट कॉफी या कुछ स्नैक्स बनाने में बिताएं। अगर आप इस तरह से किसी सब्जेक्ट को पढ़ाएंगे तो बच्चे को बोरियत नहीं होगी।

नॉर्मल रहें– जब कोई सब्जेक्ट बोरिंग लगता है तो बच्चे उसे समझने में काफी समय लेते हैं। ऐसे में इस बात का ध्यान रखें कि एक ही बार में बच्चे को समझ नहीं आ रहा है तो इसका मतलब ये नहीं है कि वह मूर्ख है, बल्कि ये एक कॉमन बात है। इसलिए नॉर्मल रहे।

घर में नहीं है जीरा तो ये 4 चीजें बढ़ाएंगी सब्जी का स्वाद

खाने का स्वाद बढ़ाने के लिए महिलाएं किचन में जीरे का इस्तेमाल जरुर करती हैं। यह एक ऐसा मसाला है जो सब्जियों में एक अलग ही खुशबू डाल देता है। परंतु कई बार घर में जीरा खत्म हो जाए तो महिलाएं अक्सर कंफ्यूज हो जाती है कि सब्जी में क्या डालें जिससे स्वाद और भी ज्यादा बढ़े। ऐसे में आज आपको जीरे की जगह कुछ ऐसे ऑप्शन बताते हैं जिन्हें आप जीरे की जगह इस्तेमाल कर सकती हैं। तो चलिए जानते हैं इनके बारे में...

सौंफ

जीरे के जगह आप सब्जी में सौंफ का इस्तेमाल कर सकती हैं। यह भी खुशबू से भरपूर होती है। ऐसे में अगर आपके घर में जीरा खत्म हो गया है तो आप इसकी जगह सौंफ इस्तेमाल कर सकते हैं। सौंफ भी आपकी सब्जी या फिर दाल को एक अलग ही स्वाद देगी।

मेथी

मेथी से आप तड़का लगाकर सब्जी का स्वाद दौगुणा कर सकती हैं। इसे भूनकर सब्जियों में आप डाल सकते हैं। कड़ी, दाल और सूखी सब्जियां में आप जीरे की जगह इसका इस्तेमाल कर सकती हैं।

धनिया के बीज

सब्जी का स्वाद बढ़ाने के लिए आप धनिया के बीज इस्तेमाल कर सकती हैं। साबुत धनिया या फिर पाउडर के रुप में इसे आप सब्जी में डाल सकती हैं। इसका स्वाद और खुशबू दोनों ही कमाल के होते हैं ऐसे में सब्जी में इसे डालने से स्वाद और भी ज्यादा बढ़ जाएगा।

राई

राई का इस्तेमाल आप जीरे की जगह कर सकती हैं। राई आपके खाने का स्वाद बढ़ा देगी। बहुत से घरों में महिलाएं आज भी राई इस्तेमाल करती हैं। यह आपके खाने को एक अलग ही स्वाद देगी। ऐसे में अगर आपके घर में जीरा खत्म हो गया है तो आप इसकी जगह राई इस्तेमाल कर सकते हैं।

मिट्टी के बर्तन में बना खाना लगेगा और भी टेस्टी, फॉलो करें ये आसार तरीका

खाना बनाना एक कला होती है हर महिला चाहती है कि उनके हाथ में बना खाना स्वाद और हैल्दी बने। वहीं आजकल की मॉर्डन किचन में स्टील से लेकर एल्युमिनियम और नॉन स्टिक आपको कई तरह के बर्तन मिल जाएंगे। इन्हीं बर्तनों में महिलाएं खाना बनाना पसंद करती हैं। लेकिन आप खाना कैसे बर्तन में बनाते हैं इसका असर आपके स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। यही कारण है कि कई महिलाएं किचन में मिट्टी के बर्तनों का इस्तेमाल करती हैं। इसमें बना खाना पोषक तत्वों से युक्त माना जाता है परंतु मिट्टी के बर्तन में खाना बनाने से पहले कुछ बातों का ध्यान रखना जरुरी है। तो चलिए जानते हैं इनके बारे में....

ओवन में रखते समय रखें ये ध्यान

अगर आप मिट्टी का बर्तन ओवन में रख रही हैं तो थर्मल शॉक से बर्तन को बचाने के लिए आप इसे पहले प्रीहिट कर दें। धीरे–धीरे प्रीहिट करने से मिट्टी का बर्तन बढ़ते तापमान के साथ तालमेल बिठा पाएगा और इसमें दरारें नहीं पड़ेगी।

तोलिया करें इस्तेमाल

मिट्टी के बर्तन में कुकिंग करते समय तोलिया भी आपके काम आ सकता है। कुकिंग करने के बाद कभी भी मिट्टी के बर्तन को ठंडे काउंटरटॉप पर न रखें। जब आप ठंडी जगह पर गर्म मिट्टी का बर्तन रखेंगे तो इसमें क्रेक आ सकता है इसलिए ऐसे में इससे बचने के लिए तोलिया इस्तेमाल करें।

हीट का भी रखें ध्यान

जब आप मिट्टी के बर्तन में खाना पकाने वाली हैं तो हीट का ध्यान रखें। मिट्टी के बर्तन के लिए मीडियम हीट सबसे अच्छी मानी जाती है वहीं इन्हें डिफ्यूजर वाले स्टॉप या ओवन में ही इस्तेमाल करें। अचानक से अगर तापमान में बदलाव आ रहा है तो इसे संपर्क में लाने से बचें। एकदम से गर्म बर्नर पर बर्तन न रखें। इसके अलावा सीधा फ्रिज से गर्म ओवन में भी बर्तन न रखें। इससे बर्तन खराब होने लगता है।

सफाई करते समय बरतें सावधानी

मिट्टी के बर्तनों को साफ करते समय थोड़ा ध्यान दें। मिट्टी के बर्तन को ओवन से निकालने के बाद इसको ठंडा होने के लिए रख दें। इसके बाद कुछ देर के लिए ठंडे पानी में भिगो दें ताकि अंदर से किसी भी तरह का चिपका हुआ खाना निकल जाए। इसके अलावा इन बर्तनों का साफ करते समय साबुन या फिर पाउडर इस्तेमाल करें। इसकी जगह आप गर्म पानी और क्लीनिंग स्क्रब पैड की मदद भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

लकड़ी का चम्मच आएगा काम

नॉन स्टिक पैन की तरह मिट्टी के बर्तनों में खाना बनाते समय आपको चम्मच और करछी के इस्तेमाल पर खास ध यान दें। इसके अलावा किसी मेटल का चम्मच इस्तेमाल न करें। पॉट में मौजूद खाना हिलाने के लिए लकड़ी का चम्मच आप इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके अलावा इस बात का ध यान रखें कि चम्मच को पॉट के किनारों पर न थपथपाएं।

बरसाती मौसम में डायबिटीज रोगियों को ब्रेकफास्ट में खानी चाहिए ये चीजें, कंट्रोल में रहेगी ब्लड शुगर

बरसाती मौसम ने दस्तक दे दी है। ऐसे में मौसम बदलने के कारण कई तरह की बीमारियां तो बढ़ती हैं परंतु डायबिटीज रोगियों के लिए बदलते मौसम में परेशानी खड़ी हो सकती है। डायबिटीज गलत खान–पान और लाइफस्टाइल से जुड़ी बीमारी है ऐसे में यदि इस बीमारी में मरीज अपनी डाइट का ध्यान न रखें तो ब्लड शुगर का लेवल बढ़ने लगता है। खासकर डायबिटीज के रोगियों को ऐसी ही चीजें खाने चाहिए जो शरीर के लिए हैल्दी हो। आज आपको कुछ ऐसी चीजें बताएंगे जो आप इस मौसम में अपने ब्रेकफास्ट में शामिल कर सकते हैं। तो चलिए जानते हैं इनके बारे में...

रागी उत्तपम

रागी उत्तपम आपके लिए फायदेमंद रहेगा। यह पाचन क्रिया को स्वस्थ रखने में मदद करता है। इसके अलावा इसमें फाइबर काफी अच्छी मात्रा में पाया जाता है जो ब्लड शुगर कंट्रोल करने में मदद करता है। ऐसे में इसके साथ अपने दिन की शुरुआत करके आप एकदम हैल्दी रह सकते हैं।

वेजिटेबल ऑमलेट

वेजिटेबल ऑमलेट आपके लिए एक हैल्दी ऑप्शन हो सकता है। पोषक तत्वों से भरपूर होने के कारण यह आपके शरीर को एकदम स्वस्थ रखेगा। ऑमलेट में इस्तेमाल की जाने वाली सब्जियों में विटामिन्स और न्यूट्रिएंटस मौजूद होते हैं वहीं अंडे में भी प्रोटीन मौजूद होता है। दोनों चीजों का मिश्रण आपके लिए बरसाती मौसम में एक अच्छा ब्रेकफास्ट साबित हो सकता है।

अलसी के बीज और फ्रूट से बनी स्मूदी

यह दोनों चीजें आपके शरीर में कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम करेगी इसके अलावा यह ब्लड शुगर कंट्रोल करने में भी मदद करती हैं। फ्रूट स्मूदी ब्लड शुगर बढ़ाने और इंसुलिन का स्तर कम करने में भी मदद करती हैं। ऐसे में ब्रेकफास्ट में आप इसे अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

ओटमील

ओटमील भी न्यूट्रिशन से भरपूर इस मानसून एक अच्छा ऑप्शन साबित हो सकता है। ओट्स में पाए जाने वाले कार्ब्स शरीर के लिए बेहद लाभकारी माने जाते हैं। इसके अलावा इसमें पाया जाने वाला फाइबर भी ब्लड शुगर कम करने में मदद करता है।

बेसन पैनकेक

बेसन पैनकेक में भी फाइबर और प्रोटीन काफी अच्छी मात्रा में मौजूद होता है। इसके अलावा इसमें कई सारे विटामिन्स और मिनरल्स मौजूद होते हैं। इनका ग्लाइसेमिक इंडेक्स भी कम होता है जो इंसुलिन स्पाइक्स को कंट्रोल करने में मदद करते हैं।

सैंडविच बनाने के बाद भी रहेंगे एकदम फ्रेश, बस इन टिप्स की लें मदद

घरों में संडे या फिर छुट्टी वाले दिन ज्यादातर सैंडविच का स्वाद लिया जाता है। यह खाने में भी हल्के होते हैं और आसानी से पच भी जाते हैं लेकिन कुछ महिलाएं की यह शिकायत रहती है कि सैंडविच बनाने के बाद गीले होने लग जाते हैं। गीले होने के कारण इनका स्वदा भी पहले जैसा नहीं रहता। ऐसे में अगर आपको भी यह परेशानी आती है तो आज आपको कुछ ऐसे तरीके बताएंगे जिनके जरिए आप सैंडविच को एकदम फ्रेश रख पाएंगे। तो चलिए जानते हैं इनके बारे में....

क्यों गीले होते हैं सैंडविच?

इसमें इस्तेमाल की जाने वाली सामग्री में काफी नमी होती है ऐसे में बनाने के बाद यह थोड़ी देर बाद ही नम और गुदेदार से होने लगते हैं।

अच्छे से डालें चीज और मेयोनीज

चीज और मेयोनीज आपके सैंडविच को गुदेदार और टूटने से बचा सकती हैं। यह दोनों चीजें ब्रेड और फिलिंग के बीच बैरियर के रुप में नमी बनाए रखने में मदद करती हैं। इनका इस्तेमाल करके आप ब्रेड को टूटने से बचा सकती हैं।

न इस्तेमाल करें गर्म चीजें

इसमें कभी भी गर्म सामग्री इस्तेमाल न करें। इससे फीलिंग में अधिक नमी पैदा होने लगती है और थोड़ी देर में ही सैंडविच गीला होने लगता है। अगर आप चाहते हैं कि ऐसा न हो ता सैंडविच की सामग्री को कमरे के तापमान में आने दें। इसके बाद ही सैंडविच में इस्तेमाल करें।

चुनें अच्छी ब्रेड

सैंडविच को बनाने के लिए ज्यादातर महिलाएं सफेद और ब्राउन ब्रेड इस्तेमाल करती हैं। लेकिन आप इसे बनाने के लिए मोटी बनावट वाली ब्रेड इस्तेमाल करें। ऐसी ब्रेड जल्दी नम नहीं होती और सैंडविच में पानी भी नहीं आता है।

बटर आएगा कम

मेयोनीज की तरह आप बटर भी फिलिंग के लिए इस्तेमाल कर सकती हैं। बाकी चीजों को स्लाइस के रुप में लगाने से पहले पिघला हुआ मक्खन ब्रेड पर लगा दें। इस तरह सैंडविच का स्वाद भी बढ़ेगा और इसमें एक डबल बैरियर भी बनने लगेगा।

संक्षिप्त

मुश्किल में पूर्व ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज वॉर्नर, शराब पीकर गाड़ी चलाने की बात कबूली

सिडनी,एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने बुधवार को सिडनी की एक कोर्ट में शराब पीकर गाड़ी चलाने के आरोप में अपना जुर्म कबूल कर लिया। इस मामले में कोर्ट 18 अगस्त को सजा सुनाएगा। ऑस्ट्रेलिया की घरेलू टी20 लीग बिग बैश (बीबीएल) में सिडनी थंडर फ्रेंचाइजी की कमान संभाल रहे वॉर्नर कोर्ट की कार्रवाई के दौरान खुद पेश नहीं हुए। इसके बजाय, डेविड वॉर्नर की ओर से उनके वकील बॉबी हिल सिडनी की अदालत में पेश हुए और उन्होंने शराब पीकर गाड़ी चलाने के मामले में औपचारिक रूप से अपना दोष स्वीकार किया। यह मामला पांच अप्रैल का है जब वॉर्नर एक वैन चला रहे थे। इसके बाद पुलिस ने सड़क किनारे उनका श्वास टेस्ट किया। जांच में उनके शरीर में अल्कोहल की मात्रा तय कानूनी सीमा से दोगुनी से भी ज्यादा पाई गई। इसके बाद पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया और आगे की कानूनी प्रक्रिया के लिए थाने ले गई। वॉर्नर के वकील बॉबी हिल ने इस साल की शुरुआत में एक सुनवाई के दौरान कहा था, हम में से बहुत से लोग ऐसे गलत फैसले लेते हैं। मुझे लगता है कि उन गलत फैसलों को मानना और उनके लिए जवाबदेह होना जरूरी है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप एक ट्रेड्समैन हैं, एक डॉक्टर हैं या दुनिया के सबसे अच्छे ओपनिंग बैट्समैन में से एक हैं, यह खतरा हम सभी के लिए मौजूद है। वह जानते हैं कि उन्होंने जो किया वह गलत था। वह मानते हैं कि यह एक लापरवाही भरा फैसला था, उबर लेने के बजाय अपनी कार में बैठना एक बेवकूफी भरा फैसला था। कोर्ट ने इस मामले में अंतिम सजा सुनाने के लिए 18 अगस्त की तारीख तय की है। वॉर्नर को शराब पीकर गाड़ी चलाने के आरोप में स्थानीय ट्रैफिक कानूनों के तहत सजा का सामना करना पड़ सकता है। उनके दोष स्वीकार करने के बाद आगामी बिग बैश लीग (बीबीएल) सीजन में सिडनी थंडर के कप्तान के रूप में उनकी भूमिका को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। मौजूदा नियमों के अनुसार, वॉर्नर पर कम से कम छह महीने के लिए ड्राइविंग प्रतिबंध लगाया जा सकता है। इसके अलावा उन पर 2,200 ऑस्ट्रेलियन डॉलर तक का जुर्माना लग सकता है और गंभीर स्थिति में उन्हें अधिकतम नौ महीने तक की जेल की सजा भी हो सकती है। क्रिकेट न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) के मुख्य कार्यकारी ली जर्मन ने वॉर्नर की गिरफ्तारी के बाद कहा था कि ये आरोप बेहद गंभीर हैं और संगठन इन्हें पूरी गंभीरता से ले रहा है। उन्होंने कहा, क्रिकेट न्यू साउथ वेल्स हमेशा सुरक्षित ड्राइविंग का समर्थन करता है और शराब पीकर गाड़ी चलाने के पूरी तरह खिलाफ है। सिडनी थंडर, सिडनी सिक्सर्स और एनएसडब्ल्यू ब्लूज भी शराब पीकर गाड़ी चलाने को रोकने के लिए राज्य सरकार के जागरूकता अभियान का हिस्सा हैं और लोगों को सुरक्षित ड्राइविंग के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

वनडे विश्व कप से पहले अफगानिस्तान में नेतृत्व परिवर्तन, शाहिदी ने छोड़ी टीम की कमान

काबुल,एजेंसी। अफगानिस्तान क्रिकेट टीम ने अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप से पहले नेतृत्व में बदलाव किया है। हशमातुल्लाह शाहिदी ने टीम की वनडे कप्तानी छोड़ने का एलान किया है। वह साल 2022 से 50 ओवर के फॉर्मेट में टीम की कमान संभाल रहे थे। शाहिदी आखिरी बार भारत के खिलाफ कप्तानी करते नजर आए थे। शाहिदी की कप्तानी में अफगानिस्तान ने एशिया कप और वनडे विश्व कप 2023 में हिस्सा लिया। इसके साथ ही चौंपियंस ट्रॉफी 2025 में भी उनकी ही अगुआई में टीम टूर्नामेंट में शामिल हुई थी। शाहिदी की कप्तानी में अफगानिस्तान ने 27 मुकाबलों में जीत दर्ज की। शाहिदी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर लिखा, आज मैं पूरे सम्मान और अपनी इच्छा से यह घोषणा कर रहा हूं कि मैं अपनी टीम के कप्तान के पद से इस्तीफा दे रहा हूं। कप्तान के तौर पर यह जिम्मेदारी निभाना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात थी। मुझे गर्व है कि मैंने अपनी टीम के साथ ईमानदारी, एकता और लगन से काम किया। अधिकारियों, कोचों व खिलाड़ियों की कोशिशों से हमने कई जीत हासिल कीं। अहम मैच जीते, बड़ी टीमों को हराया और टीम का नाम रोशन किया। उन्होंने आगे लिखा, ये सभी उपलब्धियां सिर्फ मेरी नहीं हैं, बल्कि पूरी टीम की मेहनत, त्याग और आपसी तालमेल का नतीजा हैं। मैं अपनी टीम के उन सभी खिलाड़ियों का दिल से शुक्रिया अदा करता हूं जिन्होंने हमेशा मेरा साथ दिया और हर जीत व हर चुनौती में मेरे साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहे। मैं टीम के अधिकारियों और मैनेजमेंट का भी शुक्रिया अदा करता हूं जिन्होंने मुझ पर भरोसा किया और हमेशा मेरा साथ दिया। आपका भरोसा और सहयोग मेरे लिए हमेशा सम्मान की बात रहेगी। शाहिदी की कप्तानी में विश्व कप 2023 में अफगानिस्तान ने पाकिस्तान, श्रीलंका, इंग्लैंड और नीदरलैंड जैसी बड़ी टीमों को हराया। टीम ने टूर्नामेंट का अंत छठे नंबर पर रहते हुए किया था। विश्व कप में दमदार प्रदर्शन के बूते ही अफगानिस्तान चौंपियंस ट्रॉफी के लिए क्वालिफाई करने में सफल रही थी। शाहिदी की कप्तानी में अफगानिस्तान ने बांग्लादेश को तीन, जिम्बाब्वे को दो और दक्षिण अफ्रीका–जिम्बाब्वे को एक–एक बार द्विपक्षीय सीरीज के दौरान हराया। कप्तानी के साथ–साथ शाहिदी का प्रदर्शन बतौर बल्लेबाज भी वनडे प्रारूप में दमदार रहा। उन्होंने कप्तान के तौर पर 33 की औसत और 70 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। उन्होंने वनडे में एकमात्र शतक भारत के खिलाफ लगाया, जहां शाहिदी ने 131 गेंदों में 102 रनों की शानदार पारी खेली।

कुलदीप यादव ने काउंटी क्लब यॉर्कशायर से किया करार, पांच वनडे कप और तीन लाल गेंद के मैच खेलेंगे

लीड्स,एजेंसी। भारतीय टीम के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने बुधवार को इंग्लिश काउंटी क्लब यॉर्कशायर से करार किया है। कुलदीप मौजूदा सीजन में टीम के लिए आठ मुकाबले खेलेंगे। कुलदीप पिछले कुछ समय से भारतीय प्लेइंग–11 का हिस्सा नहीं बन रहे हैं। लेकिन अब वह काउंटी क्रिकेट में खेलेंगे। कुलदीप वनडे कप के पांच मैच खेलने के साथ ही तीन लाल गेंद क्रिकेट के मुकाबले खेलेंगे। यॉर्कशायर क्लब ने अपनी वेबसाइट पर जानकारी देते हुए कहा, यॉर्कशायर काउंटी क्रिकेट क्लब को भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव को विदेशी खिलाड़ी के तौर पर साइन करने की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। 31 साल के कुलदीप वन डे कश के पांच मैचों के लिए उपलब्ध ा रहेंगे और इसके बाद सितंबर में काउंटी चौंपियनशिप के आखिरी चार में से तीन मैचों के लिए हेडिंग्ले लौटेंगे। यॉर्कशायर से जुड़ने पर कुलदीप ने कहा, यॉर्कशायर से जुड़कर मुझे बहुत खुशी हो रही है और मैं इस मौके के लिए आभारी हूं। यॉर्कशायर के गौरवशाली इतिहास वाले क्लब का प्रतिनिधि ात्व करना मेरे लिए सचमुच सम्मान की बात होगी। मुझे हमेशा से इंग्लिश कंडिशन्स में खेलने की चुनौती पसंद रही है और मैनेजमेंट से बात करने के बाद मैं टीम से जुड़ने के लिए बहुत उत्साहित हो गया हूं। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने उनकी काबिलियत पर ज्यादा भरोसा नहीं दिखाया, लेकिन यॉर्कशायर मैनेजमेंट का मानना है कि इंग्लिश परिस्थितियों में कुलदीप टीम के लिए फायदेमंद साबित होंगे। यॉर्कशायर के क्रिकेट जनरल मैनेजर गैविन हैमिल्टन ने कहा, कुलदीप एक बेहतरीन अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी हैं, जो इन मैचों के दौरान हमारी टीम को बहुत मजबूती देंगे। कुलदीप ने अपने 18 टेस्ट मैचों में 22 की औसत से 79 विकेट लिए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 40 रन देकर पांच विकेट लेना रहा है। 2024 में इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए पांच मैचों में 19 विकेट लिए थे। वनडे में कुलदीप का प्रदर्शन और भी प्रभावी रहा है। उन्होंने 194 विकेट अपने नाम किए हैं और इस प्रारूप में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 25 रन देकर छह विकेट लेना रहा है। भारत के अनकैप्ड ऑलराउंडर आशुतोष शर्मा ने हैम्पशायर के लिए डेब्यू मैच में प्रभावित किया और तीन विकेट झटके। हैम्पशायर ने वनडे मैच में यॉर्कशायर को 50 रन से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए हैम्पशायर ने टॉम प्रेस्ट के 109 रनों के दम पर आठ विकेट पर 320 रन रन बनाए। उन्होंने बल्ले से अच्छा प्रदर्शन नहीं किया और 10 रन बनाकर आउट हुए। हालांकि, गेंद से आशुतोष ने अपना दम दिखाया और 48 रन देकर तीन विकेट लेने में सफल रहे जिससे यॉर्कशायर की टीम 270 रन पर ऑलआउट हो गई।

अनुष्का के साथ वृंदावन पहुंचे कोहली, प्रेमानंद महाराज के किए दर्शन, कीचड़ में नंगे पैर चले

वृंदावन,संवाददाता। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के बाद प्रेमानंद महाराज के दर्शन किए। कोहली बुधवार को पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ वृंदावन पहुंचे जहां दोनों ने प्रेमानंद महाराज के दर्शन किए। कोहली इससे पहले आईपीएल 2026 खत्म होने के बाद भी प्रेमानंद महाराज का आशीर्वाद लेने पहुंचे थे। मालूम हो कि आरसीबी ने इस सीजन खिताब अपने नाम किया था। 29 जुलाई को गुरू पूर्णिमा है और इससे पहले ही कोहली ने अनुष्का संग प्रेमानंद महाराज के दर्शन किए हैं। कोहली और अनुष्का को श्री हित राधा केली कुंज आश्रम में नंगे पैर घूमते हुए देखा गया और उनके इस दौरे के वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो गए। ऑनलाइन वायरल हो रहे कई वीडियो में इन दोनों को कड़ी सुरक्षा के बीच आश्रम पहुंचते हुए देखा जा सकता है। अनुष्का और विराट दोनों ने ही फेस मास्क पहनकर अपनी पहचान छिपाने की कोशिश की। आश्रम से बाहर निकलते समय विराट और अनुष्का ने हाथ में प्रसाद लिया हुआ था और वे कीचड़ भरे रास्तों पर नंगे पैर चल रहे थे।

प्रेमानंद महाराज के दर्शन लिए अनुष्का ने सिंपल सफेद सलवार–सूट पहना, जबकि विराट टी–शर्ट और पैंट में कैजुअल लुक में नजर आए। प्रेमानंद महाराज का आशीर्वाद लेने से पहले, यह दोनों आश्रम परिसर में घूमते हुए दिखे। कोहली और अनुष्का की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। वहीं, वृंदावन में जैसे ही लोगों ने इन दोनों को देखा तो वे कोहली–अनुष्का की तस्वीरें लेने लगे। वायरल वीडियो में कोहली और अनुष्का आश्रम परिसर से बाहर निकलते हुए दिखाई दे रहे हैं। दोनों बेहद सादगी भरे अंदाज में अपनी कार की ओर बढ़े। इस दौरान वहां मौजूद लोगों का उन्होंने राधे–राधे कहकर अभिवादन किया। उनके इस व्यवहार ने वृंदावनवासियों का दिल जीत लिया। विराट और अनुष्का इस दौरान भक्ति में लीन नजर आए। मालूम हो कि पिछले कुछ वर्षों से यह दोनों लगातार वृंदावन आकर प्रेमानंद महाराज के दर्शन कर रहे हैं। विराट और अनुष्का इस दौरान सत्संग में भी शिरकत कर चुके हैं। विराट और अनुष्का की आस्था किसी से छिपी हुई नहीं है। दोनों कई बार इस बारे में बात कर चुके हैं कि व्यस्त जीवन के बीच आध्यातम, ध्यान और शांत वातावरण उन्हें मानसिक संतुलन बनए रखने में मदद करता है।

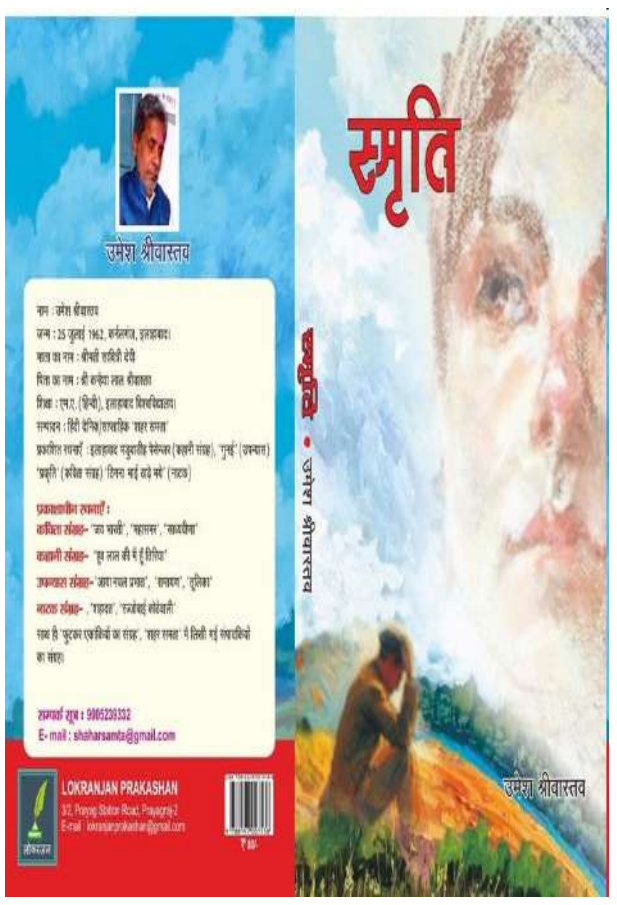

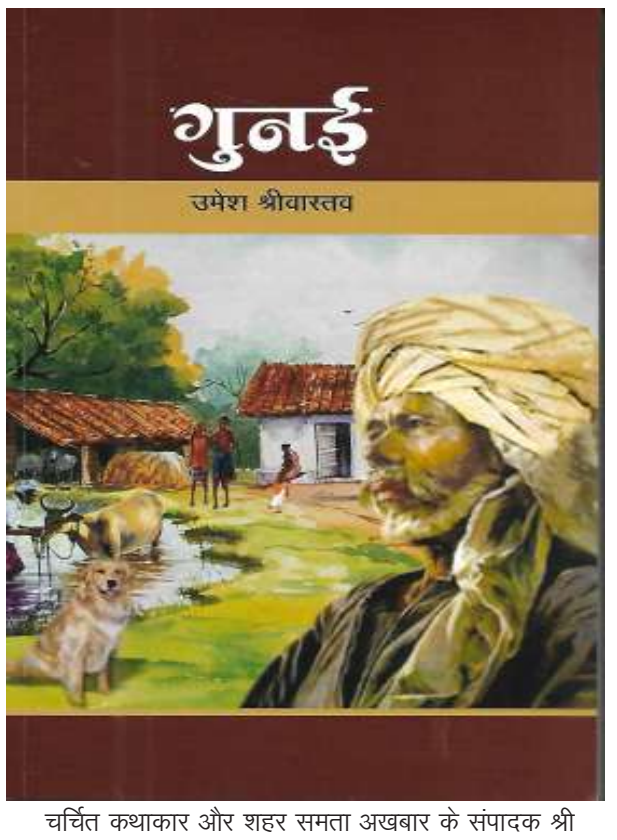

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

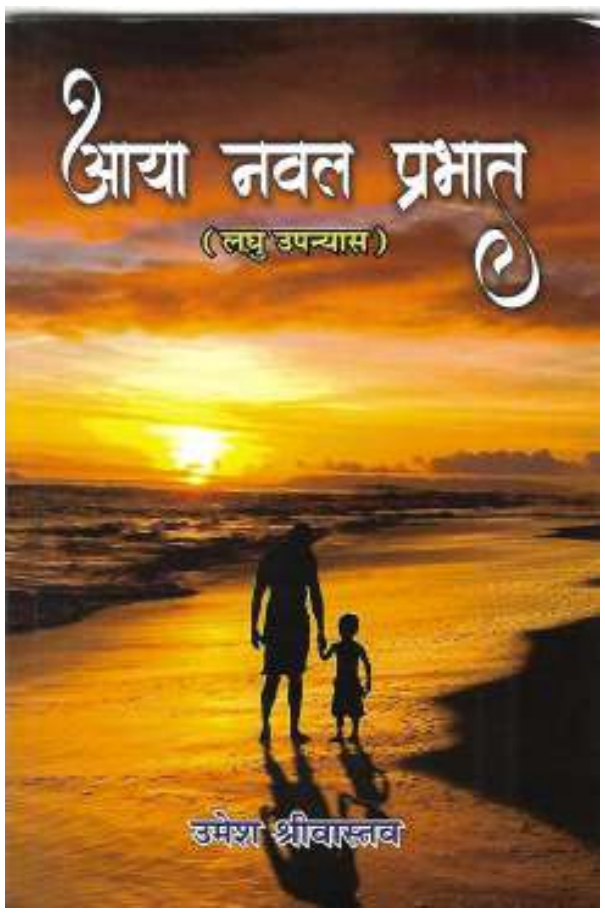

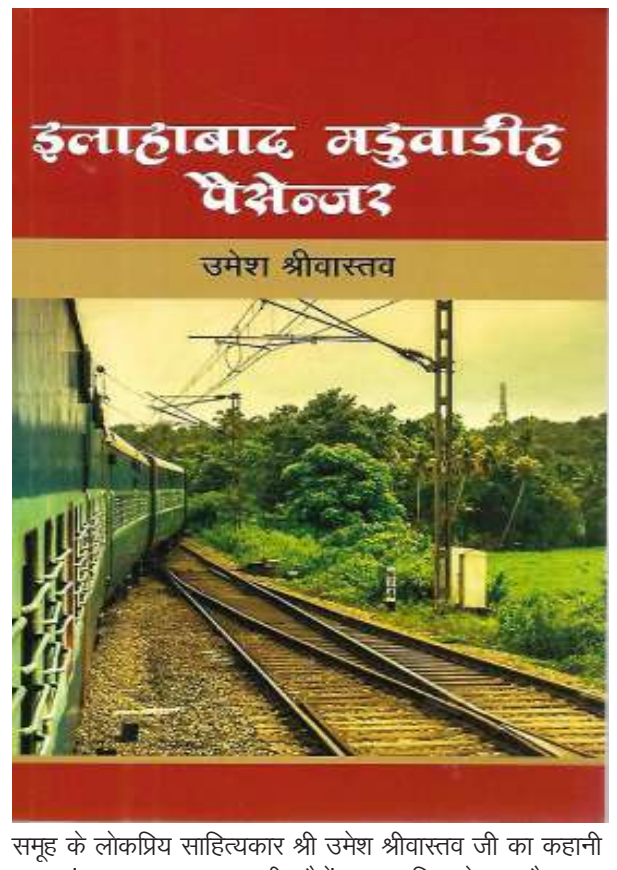

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

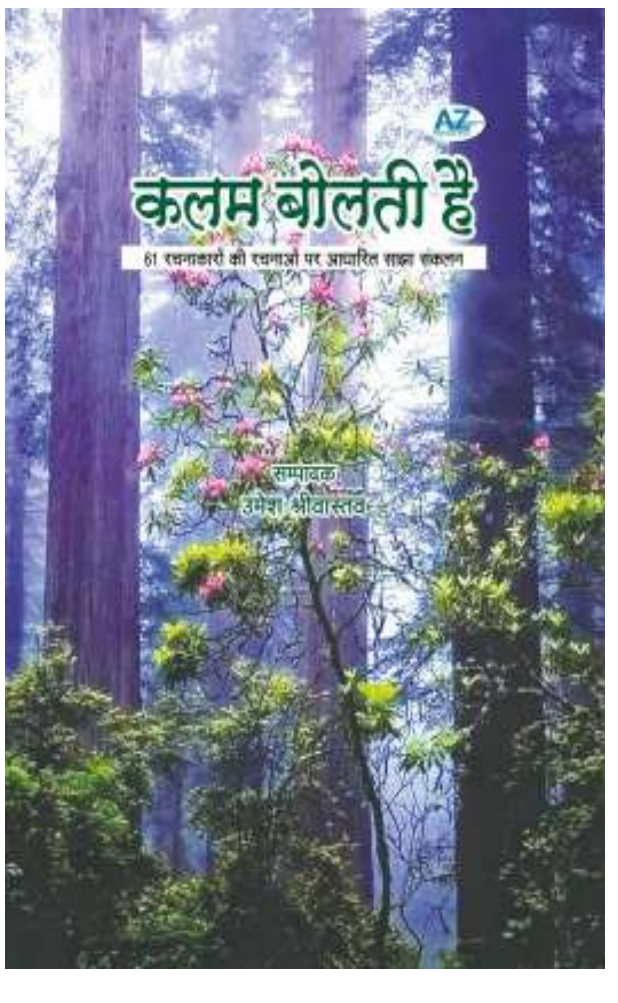

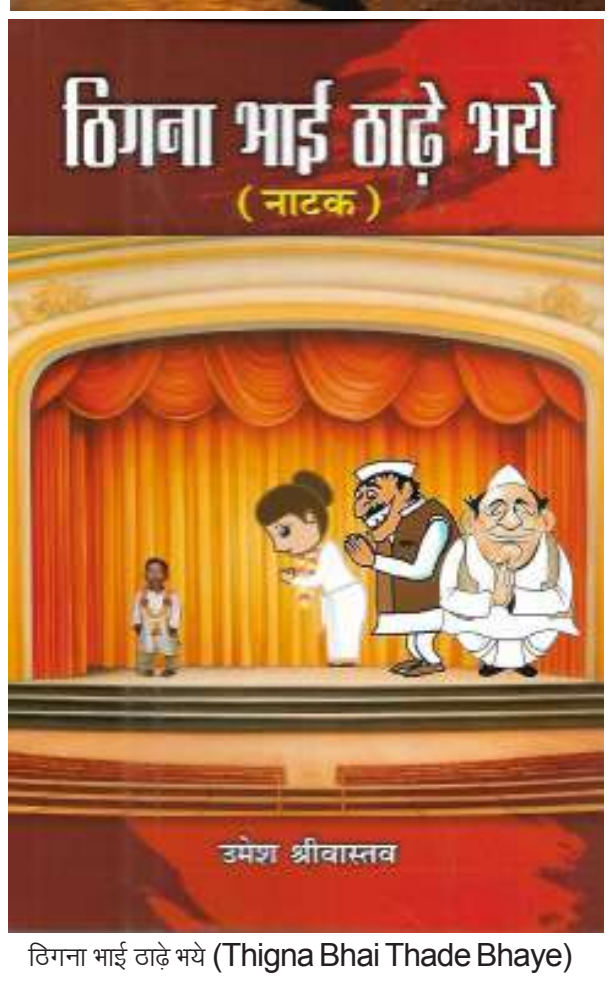

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

ड्रग तस्करी के आरोपों से इनकार, अमेरिका में मादुरो की कानूनी लड़ाई तेज, प्री-ट्रायल सुनवाई आज

वाशिंगटन, एजेंसी। वेनेजुएला के निकोलस मादुरो नशीले पदार्थों की तस्करी के मामले में सुनवाई के लिए बुधवार को अपने वकीलों के साथ फिर से अदालत पहुंचेंगे। उम्मीद है कि वह अमेरिकी सैन्य कार्रवाई का विरोध जारी रखेंगे। इस सैन्य कार्रवाई ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति को सत्ता से हटाकर नशीले पदार्थों की तस्करी के आरोपों का सामना करने के लिए न्यूयॉर्क लाया गया था। हिरासत और गंभीर आरोप 63 साल के मादुरो और उनकी 69 साल की पत्नी सीलिया फ्लोरेस ब्रूकलिन की जेल में बंद हैं। अमेरिकी सेना ने जनवरी की शुरुआत में काराकास स्थित उनके घर पर आधी रात को छापा मारा था और दोनों को पकड़कर न्यूयॉर्क लाया गया था। दोनों ने खुद को निर्दोष बताया है। अगर जूरी यह मान लेती है कि वे अमेरिका में कोकीन भेजने की साजिश का हिस्सा थे, तो उन्हें उम्रकैद की सजा हो सकती है। अमेरिकी वकीलों का कहना है कि मादुरो ने बड़े तस्करों की मदद के लिए वेनेजुएला के कानून प्रवर्तन तंत्र के साथ मिलकर काम किया और अमेरिका में हजारों टन कोकीन भिजवाई। प्रशासन का पक्ष और मादुरो का बयान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने इस छापेमारी को छह साल पुराने आपराधिक मामले में की गई कार्रवाई बताकर इसका बचाव किया है। दूसरी ओर, मादुरो ने खुद को युद्धबंदी और अपनी गिरफ्तारी को अपहरण बताया है। जनवरी में अदालत में पेशी के समय स्पैनिश भाषा में बोलते हुए उन्होंने कहा था कि वह निर्दोष हैं, एक भले इंसान हैं और अपने देश के संवैधानिक राष्ट्रपति हैं। कानूनी दलीलें और जमानत की स्थिति मादुरो के वकील बैरी पोलक ने कहा है कि वह इस सैन्य अपहरण की वैधता को अदालत में चुनौती देने की योजना बना रहे हैं। वकीलों का कहना है कि मुकदमा शुरू होने से पहले अदालत को कई जटिल कानूनी पहलुओं पर विचार करना होगा। फिलहाल मादुरो और उनकी पत्नी फ्लोरेस ने जमानत पर रिहाई की कोई मांग नहीं की है। जज एल्विन के हेलर्स्टीन ने अभी तक मुकदमे की कोई तारीख तय नहीं की है।

जेलेंस्की का बड़ा फैसला: सिरस्की की छुट्टी, द्रपाती बने नए सेना प्रमुख, क्या अब यूक्रेन में थमेगा प्रदर्शन?

कीव, एजेंसी। यूक्रेन की राजनीति में अचानक बहुत बड़ा उलटफेर हो गया है। राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने एक बड़ा कदम उठाया है। उन्होंने यूक्रेन के सेना प्रमुख जनरल ओलेक्जेंडर सिरस्की को पद से हटा दिया है। यह फैसला मंगलवार को लिया गया। पूरे देश में सिरस्की के खिलाफ भारी प्रदर्शन हो रहे थे। राजधानी कीव और कई अन्य शहरों में लोग सड़कों पर उतर आए थे। लोग सिरस्की को हटाने की मांग कर रहे थे। जेलेंस्की ने मिखाइलो द्रपाती को नया सेना प्रमुख बनाया है। इसकी जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया पर एक बयान जारी करके दी। जेलेंस्की ने कहा कि सभी की एक ही इच्छा है। वह इच्छा दुश्मन पर जीत हासिल करना है। सीमा

पर ऐसे हालात बनाना है कि रूस शांति के लिए मजबूर हो जाए। उन्होंने आगे कहा कि देश ने एक बड़ा रास्ता तय किया है। यूक्रेन की रक्षा का काम लगातार जारी है। देश का हर योद्धा सम्मानजनक व्यवहार का हकदार है। क्या जन-प्रदर्शन के आगे झुके राष्ट्रपति जेलेंस्की? यह दूसरी बार है जब जेलेंस्की को जनता के दबाव में फैसला बदलना पड़ा है। इससे पहले बीते साल की गर्मियों में भी प्रदर्शन हुए थे। तब जनता ने भ्रष्टाचार विरोधी संस्थाओं को कमजोर करने वाले कानून का विरोध किया था। जेलेंस्की को वह कानून वापस लेना पड़ा था। यह ताजा विवाद पिछले हफ्ते गुरुवार को शुरू हुआ था। जेलेंस्की ने अपनी सरकार में बड़ा फेरबदल किया था। उन्होंने अपने प्रधानमंत्री को बदल दिया था। साथ ही रक्षा मंत्री मिखाइलो फेडोरोव को भी बर्खास्त कर दिया था। फेडोरोव सिर्फ छह महीने से पद पर थे। जेलेंस्की ने कहा था कि फेडोरोव और सिरस्की के बीच भारी मतभेद थे। दोनों आपस में विवाद नहीं सुलझा पा रहे थे। इसलिए उन्हें खुद यह कदम उठाना पड़ा। क्या विवाद और सड़कों पर क्यों उतरी जनता?

पद से हटने के बाद फेडोरोव ने सिरस्की पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि सिरस्की सैन्य सुधारों को रोक रहे थे। वह पुराने ढर्रे की कमान चला रहे थे। इस बयान के बाद सैनिकों और आम जनता का गुस्सा फूट पड़ा। हजारों लोग कीव की सड़कों पर निकल आए। लोगों को लगा कि जेलेंस्की एक सुधारक के बजाय पुराने ढर्रे के जनरल का साथ दे रहे हैं। इसका असर सेना के भीतर भी देखा गया। वायु सेना के उप कमांडर ने विरोध में अपना इस्तीफा दे दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि इससे यूक्रेन की हवाई सुरक्षा कमजोर होगी। छुट्टियों पर घर आए सैनिकों और पूर्व सैनिकों ने भी प्रदर्शनों में हिस्सा लिया। कई सैनिक अधिकारियों ने सोशल मीडिया पर सिरस्की का खुलकर विरोध किया। प्रदर्शनकारी मांग कर रहे थे कि पूर्व रक्षा मंत्री मिखाइलो फेडोरोव को वापस लाया जाए।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

डोवर एयरबेस पर लाए जाएंगे अमेरिकी सैनिकों के शव, ट्रंप देंगे अंतिम विदाई, व्हाइट हाउस ने क्या कहा ?

डोवर (डेलावेयर), एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बुधवार को पश्चिम एशिया में मारे गए चार अमेरिकी सैनिकों को दी जाने वाली अंतिम सैन्य श्रद्धांजलि में शामिल होंगे। व्हाइट हाउस ने क्या कहा? व्हाइट हाउस ने कहा कि ट्रंप डोवर वायुसेना अड्डे पर मौजूद रहेंगे। यहां कार्रवाई में मारे गए सैनिकों के पार्थिव शरीर उनके परिवारों को सौंपे जाएंगे। राष्ट्रपति के तौर पर यह सबसे गंभीर और भावुक जिम्मेदारियों में से एक मानी जाती है। फरवरी में ईरान के साथ युद्ध शुरू होने के बाद यह तीसरी बार होगा, जब ट्रंप इस सैन्य सम्मान समारोह में शामिल होंगे। प्रशासन के एक अधिकारी ने पहचान उजागर न करने की शर्त पर बताया कि जॉर्डन में ईरानी मिसाइल और ड्रोन हमलों में मारे गए अमेरिकी सेना के दो जवानों के पार्थिव शरीर इस समारोह के दौरान लाए जाएंगे। अधिकारी ने बताया कि जॉर्डन में हमले के बाद लापता हुए और अब मृत माने जा रहे तीसरे सैनिक का पार्थिव शरीर भी लाया जाएगा। इसके अलावा इराक में ईरानी ड्रोन के विस्फोट में मारे गए एक सैनिक का पार्थिव शरीर भी वापस लाया जाएगा।

मंगलवार को व्हाइट हाउस में ट्रंप ने कहा, मैं डोवर जा रहा हूं। मेरे लिए वहां जाना बहुत बड़े सम्मान की बात है। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने मृतकों के बारे में क्या बताया? अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने बताया कि जॉर्डन में मारे गए सैनिकों की पहचान हवाई के ईवा बीच के टायलर जेम्स फीहान (25 वर्षीय) और टेक्सस के कैरोल्टन की इसाबेला गोंजालेस (19 वर्षीय) के रूप में हुई है। जॉर्डन में हमले के बाद लापता हुए और अब मृत माने जा रहे सैनिक की पहचान न्यूयॉर्क के ओजोन पार्क के एंजेल एस. रैम्परसाड (28 वर्षीय) के रूप में हुई है। इराक में मारे गए सैनिक की पहचान नॉर्थ कैरोलाइना के स्प्रिंग लेक में रहने वाले 30 वर्षीय माइकल इमैनुएल स्विंटन के रूप में हुई है। रविवार को ट्रंप ने पत्रकारों से कहा, हमें बहुत दुख है। लेकिन ये महान लोग और सच्चे देशभक्त इसलिए लड़ रहे थे, ताकि ईरान परमाणु हथियार हासिल न कर सके। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका मारे गए सैनिकों के सम्मान में ईरान पर हमले कर रहा है। कई गुना चुकानी पड़ेगी कीमतरू ट्रंप युद्ध खत्म करने के लिए ईरान के साथ अंतरिम समझौता टूटने के बाद अमेरिका ने तेहरान पर कई हमले किए हैं। सोमवार को ट्रंप ने कहा कि जब भी ईरान किसी अमेरिकी सैनिक की हत्या करेगा, उसे इसकी कई गुना कीमत चुकानी पड़ेगी। 28 फरवरी को युद्ध शुरू होने के बाद अब तक 18 अमेरिकी सैनिक मारे जा चुके हैं। मंगलवार को ट्रंप ने कहा कि जॉर्डन में आने वाले लगभग सभी हमलों को रोक दिया गया था। लेकिन कुछ हमले सुरक्षा घेरे को पार कर गए। उन्होंने कहा, जॉर्डन में कुछ हमले हमारे सुरक्षा घेरे को पार कर गए। अगर हमारे पास दूसरे ऑपरेटर होते, तो दुर्भाग्य से यह नहीं होता। उन्होंने आगे कहा, हमने लगभग हर हमले को रोक दिया, लेकिन जब आप अमेरिका का काम दूसरे लोगों को करने देते हैं, तो कई बार नतीजे अच्छे नहीं होते। ट्रंप ने यह नहीं बताया कि उनका इशारा किसकी ओर था। यह भी साफ नहीं हो सका कि जॉर्डन में अमेरिकी सैनिकों की सुरक्षा की जिम्मेदारी किस पर होने की बात वह कर रहे थे। युद्ध शुरू होने के बाद ट्रंप दो बार ऐसे सैन्य सम्मान समारोह में शामिल हो चुके हैं। सबसे हाल में वह मार्च में इसमें शामिल हुए थे। अपने पहले कार्यकाल में उन्होंने इस समारोह को राष्ट्रपति के रूप में श्सबसे कठिन जिम्मेदारीश बताया था।

CJP के प्रदर्शन की गूंज विदेश तक: सोनम वांगचुक के समर्थन में सड़क पर उतरे लोग, जानें भारत सरकार से क्या कहा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका स्थित अधिकार समूह शहिंदूस फॉर ह्यूमन राइट्सश के कार्यकर्ताओं ने न्यूयॉर्क और सैन जोस में प्रदर्शन किए। ये प्रदर्शन सोनम वांगचुक के समर्थन में आयोजित किए गए। सोनम वांगचुक नीट परीक्षा में हुई कथित धांधली के विरोध में नई दिल्ली में अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे हैं।

सोमवार शाम कार्यकर्ता न्यूयॉर्क शहर के यूनियन स्क्वायर और सैन जोस में महात्मा गांधी की प्रतिमा के पास इकट्ठा हुए। वे हाथों में सोनम वांगचुक के समर्थन में लिखे बैनर और तख्तियां लिए हुए थे। सरकार के खिलाफ नारेबाजी और शिक्षा मंत्री का इस्तीफा प्रदर्शनकारियों ने भारत सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग रखी। संस्था ने मंगलवार को जारी एक बयान में बताया कि लंदन में भारतीय उच्चायोग और डबलिन में भारतीय दूतावास के बाहर भी ऐसे ही प्रदर्शन हुए। संगठन ने कहा कि न्यूयॉर्क, लंदन, सैन जोस या डबलिन से एक साफ संदेश गया है कि भारत के छात्र सम्मान और निष्पक्ष व्यवहार के हकदार हैं। सरकार से बातचीत और जवाबदेही की अपील संगठन के अनुसार, भारत के युवाओं को ईमानदार जवाब और भरोसेमंद भविष्य मिलना चाहिए। भारत के नागरिकों को खुलकर बातचीत और सुधार की जरूरत है। अब समय आ गया है कि भारत सरकार अपनी जिम्मेदारी स्वीकार करे। इससे पहले भी इस संस्था ने भारत सरकार से अपील की थी कि सरकार वांगचुक और नीट परीक्षा धांधली के खिलाफ भूख हड़ताल कर रहे अन्य लोगों से बातचीत करे।

दिल्ली में विरोध प्रदर्शन जारी मामले में शनिवार को, तीन हफ्ते से अधिक समय तक उपवास करने से वांगचुक की तबीयत बिगड़ गई थी। इसके बाद शनिवार को दिल्ली पुलिस ने उन्हें जंतर-मंतर से हटाकर सफदरजंग अस्पताल पहुंचाया। दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश के बाद अब उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

दूसरी ओर, विपक्षी दलों ने कॉकरोच जनता पार्टी का समर्थन किया है और दिल्ली में सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किए हैं।

ट्रंप ने सऊदी के साथ परमाणु समझौते को दी मंजूरी, यूरेनियम संवर्धन की मिल सकती है अनुमतिय रिपोर्ट

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सऊदी अरब के साथ एक परमाणु समझौते को मंजूरी दे दी है। इस समझौते से सऊदी अरब को अपने नागरिक परमाणु कार्यक्रम के लिए यूरेनियम संवर्धन की क्षमता मिल सकती है। मीडिया रिपोर्टों में यह दावा किया जा रहा है। मामले की जानकारी रखने वाले दो लोगों ने बताया कि इस फैसले की आधिकारिक घोषणा बुधवार को हो सकती है। यह समझौता 30 साल तक चलेगा और कार्यक्रम को विकसित करने में अमेरिकी कंपनियां भी शामिल होंगी। अमेरिका और सऊदी अरब के एक संयुक्त अध्ययन के बाद इस समझौते के तहत सऊदी अरब में यूरेनियम संवर्धन सुविधा बनाने की अनुमति मिल सकती है। वाल स्ट्रीट जर्नल ने सबसे पहले इस फैसले की जानकारी दी थी। हालांकि, व्हाइट हाउस ने इस पर तुरंत कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। ईरान के नए परमाणु ठिकाने पर हमले की चेतावनी

इस सबके बीच, वाशिंगटन से जारी बयान में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को सख्त चेतावनी दी है। ट्रंप ने कहा कि ईरान एक नया परमाणु ठिकाना बनाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि अगर ईरान ऐसा करता है, तो अमेरिका उस ठिकाने पर हमला करेगा। पीट हेगसेथ ने रूस-चीन पर ईरान की मदद का लगाया आरोप अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने अमेरिका के खिलाफ युद्ध में अन्य देशों की भूमिका पर बयान दिया है। हेगसेथ ने कहा कि रूस और चीन अमेरिका के खिलाफ युद्ध में ईरान की मदद कर रहे हैं। दूसरी तरफ, अमेरिकी सीनेट में सुनवाई के दौरान रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ को विरोध का सामना करना पड़ा। युद्ध विरोधी प्रदर्शनकारियों ने सुनवाई में बार-बार बाधा डाली। प्रदर्शनकारियों ने श्ईरान और फलस्तीन में बच्चों पर बमबारी बंद करोश के नारे लगाए।

जॉर्डन में ईरानी हमले में अमेरिका के तीसरे सैनिक की मौत ? सेंटकॉम ने क्या कहा, कितना पहुंचा आंकड़ा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने पुष्टि की है कि जॉर्डन में एक बेस पर शुक्रवार को हुए हमले में तीसरे सैनिक के मारे जाने की आशंका है। हालांकि उन्हें मृत माना जा रहा है। सैनिक की पहचान न्यूयॉर्क की रहने वाली 28 वर्षीय सार्जेंट एंजेल एस रामपरसाद के रूप में हुई है। इससे युद्ध की शुरुआत से अब तक कुल 18 अमेरिकी सैनिक मारे जा चुके हैं। सोमवार को पेंटागन ने जॉर्डन हमले में मारे गए दो अन्य सैनिकों की पहचान बताई थी। इनमें हवाई के रहने वाले 25 वर्षीय फर्स्ट लेफ्टिनेंट टायलर जेम्स फीहान और टेक्सस की रहने वाली 19 वर्षीय प्राइवेट इसाबेला गोंजालेस शामिल थे। ये सैनिक इस्लामिक स्टेट के खिलाफ अमेरिकी मिशन में तैनात थे। ईरानी बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन हमलों से इन सैनिकों की मौत हुई। हमले के बाद सेना ने बताया था कि दो सैनिक मारे गए हैं और एक लापता है। अब पेंटागन का कहना है कि रामपरसाद ही वह लापता सैनिक हैं। उनका आधिकारिक दर्जा ष्कर्तव्य स्थिति-स्थान अज्ञातष है और उन्हें मृत माना जा रहा है। रामपरसाद और गोंजालेस जर्मनी में तैनात 10वीं आर्मी एयर एंड मिसाइल डिफेंस कमांड की एक ही यूनिट से थीं। इराक में एक अन्य सैनिक की जान गई

इधर, इराक के इरबिल एयर बेस पर एक ईरानी ड्रोन के नियंत्रित विस्फोट के समय 30 वर्षीय सार्जेंट माइकल इमैनुएल स्विंटन की मौत हो गई। नॉर्थ कैरोलिना के रहने वाले स्विंटन लगभग 10 साल से सेना में थे। उन्हें मरणोपरांत ब्रॉन्ज स्टार, पर्पल हार्ट और कॉम्बैट एक्सन बैज दिया जाएगा। साथ ही उन्हें स्टाफ सार्जेंट के पद पर प्रमोट किया जाएगा। स्विंटन 2017 में सेना में भर्ती हुए थे। वह फोर्ट ब्रैग की 108वीं एयर डिफेंस आर्टिलरी ब्रिगेड में तैनात थे। वह अपने पीछे पत्नी और दो छोटे बच्चों को छोड़ गए हैं। उनके परिवार ने इस नुकसान पर गहरा दुख जताया है। ब्रिगेडियर जनरल जॉन एल डॉबर ने स्विंटन के काम और देश सेवा की तारीफ की है। सेना इरबिल में हुई इस घटना की जांच कर रही है। 10वें दिन भी जारी है संघर्ष अंतरिम समझौता टूटने के बाद अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध का आज 10वां दिन है। दोनों तरफ से लगातार हमले हो रहे हैं। ईरानी अधिकारियों के अनुसार, पिछले तीन हफ्तों में अमेरिकी हमलों में कम से कम 50 लोग मारे गए हैं और 500 से अधिक लोग घायल हुए हैं। दोनों पक्षों ने आम लोगों की सुविधाओं को भी निशाना बनाया है। खाड़ी देशों, इस्राइल और लेबनान में विदेशी मजदूरों समेत कई लोगों की जान गई है। अमेरिकी विदेश विभाग ने चेतावनी दी है कि ईरान और उसके सहयोगी समूह दुनियाभर में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बना सकते हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकने के लिए यह युद्ध जरूरी है। हालांकि, उन पर यह युद्ध जल्द खत्म करने का राजनीतिक दबाव बढ़ रहा है। इस तनाव के कारण बाजार में तेल की कीमतें भी बढ़ गई हैं।

ईरान से जंग जारी, लेबनान की मदद करेगा न्यू ट्रंप हिजबुल्ला के खात्मे की रणनीति पर क्या बोले ?

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरान से जारी जंग के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बड़ा एलान किया है। उन्होंने कहा कि लेबनान से हिजबुल्ला को हटाने के लिए अमेरिका के पास ठोस योजनाएं हैं।

ओवल ऑफिस में लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ औन के साथ बैठक के दौरान ट्रंप ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि लेबनान के साथ लंबे समय से बुरा व्यवहार हुआ है। अब इस देश को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पूरा सम्मान और स्थिरता मिलेगी।

क्या हिजबुल्ला से सीधी बात करेंगे ट्रंप? ट्रंप ने साफ कहा कि वे और राष्ट्रपति जोसेफ औन हिजबुल्ला को बाहर करने की रणनीति पर चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा कि अमेरिका के पास इसके लिए बहुत ठोस योजनाएं तैयार हैं।

इसमें दूसरे देश भी मदद कर रहे हैं। ट्रंप ने यह भी कहा कि अगर लेबनानी राष्ट्रपति कहेंगे, तो वे हिजबुल्ला से सीधे बात करने को भी तैयार हैं। ट्रंप ने कहा, मैं हर किसी से बात कर सकता हूं।

जेनेरिक दवाओं पर 200 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने जा रहे ट्रंप, भारत पर इसका क्या होगा असर?

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को घोषणा की कि अमेरिका अगस्त 2028 से विदेश से आयात होने वाली जेनेरिक दवाओं पर भारी आयात शुल्क (टैरिफ) लगाएगा। उन्होंने कहा कि इस कदम का मकसद जेनेरिक दवाओं का उत्पादन अमेरिका के भीतर कराना है। इस फैसले का असर भारत पर पड़ सकता है, क्योंकि भारत अमेरिका को जेनेरिक दवाओं का सबसे बड़ा निर्यातक है। ट्रंप ने ट्रथु सोशल प्लेटफॉर्म पर कहा कि 1 अगस्त 2026 से अमेरिका में आने वाली सभी जेनेरिक दवाओं पर अगले दो साल तक टैरिफ शून्य फीसदी रहेगा। इसके बाद एक साल के लिए इसे 100 फीसदी कर दिया जाएगा। उसके बाद यह बढ़ाकर 200 फीसदी कर दिया जाएगा। ट्रंप ने क्या कहा?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि 1 अगस्त 2026 से अमेरिका में लाई जाने वाली सभी जेनेरिक दवाओं पर अगले दो साल तक शून्य फीसदी आयात शुल्क रहेगा। इसके बाद एक साल के लिए यह 100 फीसदी होगा और उसके बाद 200 फीसदी कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह फैसला इसलिए लिया गया है, ताकि जेनेरिक दवाओं का उत्पादन फिर से अमेरिका में शुरू हो। उन्होंने कहा कि जो कंपनियां तय समय के भीतर अमेरिका में कारखाने और जरूरी उपकरण नहीं लगाएंगे, उन्हें इस नीति के तहत दंड का सामना करना पड़ेगा। नई नीति में क्या बदलेगा?

राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि इस नीति का मकसद अमेरिका के लोगों के हितों की रक्षा करना है। उन्होंने यह भी कहा कि पेटेंट वाली, ब्रांडेड और नई दवाओं से जुड़ी मौजूदा नीति में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा और वह पहले की तरह जारी रहेगी। भारत को अक्सर श्दुनिया की दवा दुकानश कहा जाता है, क्योंकि वह दुनिया के कई देशों को जेनेरिक दवाएं उपलब्ध कराता है। भारत का अमेरिका को दवाओं का कितना निर्यात है?

ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) की एक रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2025 में भारत ने अमेरिका को 9.7 अरब अमेरिकी डॉलर की दवाओं का निर्यात किया। यह भारत के कुल वैश्विक दवा निर्यात 25.8 अरब अमेरिकी डॉलर का 36 प्रतिशत था। जेनेरिक दवाओं का इस्तेमाल कहां होता है? भारत में बनी जेनेरिक दवाएं उच्च रक्तचाप, मधुमेह, कैंसर, संक्रामक रोगों और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी बीमारियों के इलाज में बड़े पैमाने पर इस्तेमाल की जाती हैं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।